RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 115 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 7 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

वैशाली नगर विधायक भसीन की तबियत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से मेदांता गुड़गांव ले जाने की तैयारी

भिलाई। वैशाली नगर विधायक विद्यारतन भसीन की तबीयत बिगड़ गई है। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं और उन्हेंरायपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। रायपुर में उनकी तबियत में सुधार न होने पर एयर एंबुलेंस से गुड़गांव मेदांता हास्पिटल ले जाने तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि विधायक विद्यारतन भसीन को मंगलवार को एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया जाएगा।

भाजपा जिला भिलाई अध्यक्ष ब्रजेश बिचपुरिया सहित कई नेताओं ने परिजनों से बात की है। रायपुर अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत में सुधार नहीं दिख रहा है, वो आने जाने वालों को भी नहीं पहचान पा रहे हैं। चिकित्सकों ने परिजनों से सलाह मशविरा के उपरांत उन्हें बेहतर चिकित्सा के लिए मेदांता शिफ्ट करने की बात कही है। उन्हें एयर एंबुलेंस से मंगलवार को संभवतः मेदांता ले जाया जाएगा।

उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही उनके समर्थक रायपुर के निजी अस्पताल में उन्हें देखने गए, उनके अनुसार भी विधायक विद्यारतन भसीन समर्थकों को भी नहीं पहचान पा रहे हैं। भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष ब्रजेश बिचपुरिया ने बताया कि विधायक वैशाली नगर की तबीयत ठीक नहीं है, कल वे उन्हें देखने स्वयं रायपुर के निजी अस्पताल जाएंगे। भाजपा अध्यक्ष के अनुसार उन्हें बेहतर इलाज के लिए गुड़गांव के मेदांता अस्पताल ले जाने के संबंध में परिजन सहमत हैं।

Earthquake: तुर्की-सीरिया में भूकंप से अब तक 4300 से ज्यादा की मौत

भारत ने भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने भूकंप की मार झेल रहे तुर्की को भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप भेज दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई घोषणा के कुछ घंटों बाद ही भारत ने भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप तुर्की को भारतीय वायु सेना के विमान से भेजी है। दरअसल, तुर्की और सीरिया में घातक भूकंपों के कारण अब तक 4,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। बीते दिन तुर्की में 7.8, 7.6 और 6.0 तीव्रता के लगातार तीन विनाशकारी भूकंप आए थे।

भारत की ओर से भेजी राहत सामग्री की खेप में एक विशेषज्ञ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल खोज और बचाव दल शामिल है। इसमें पुरुष और महिला दोनों कर्मी, अत्यधिक कुशल डॉग स्क्वॉड, चिकित्सा से जुड़ी चीजें, उन्नत ड्रिलिंग उपकरण और सहायता प्रयासों के लिए आवश्यक अन्य महत्वपूर्ण उपकरण शामिल थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक, 100 सदस्यों की दो एनडीआरएफटीम प्रशिक्षित श्वानों

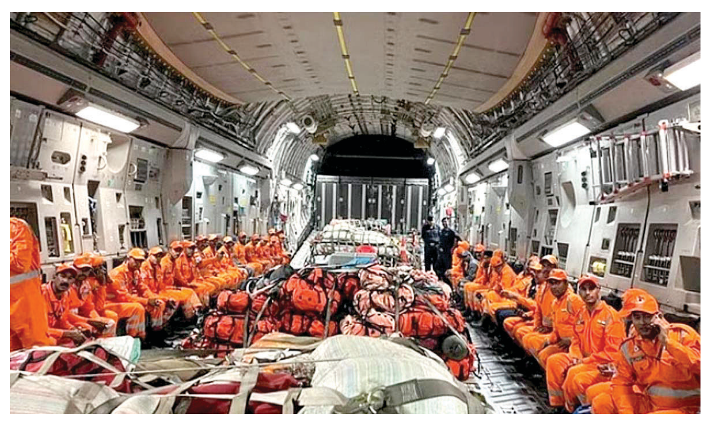

और आवश्यक उपकरणों के साथ भूकंप प्रभावित इलाके में तलाशी और बचाव अभियान के लिए भेजी गई है। इसके साथ ही प्रशिक्षित चिकित्सकों और पैरा मेडिक की टीम भी आवश्यक दवाओं के साथ रवाना की गई है।

15000 से ज्यादा लोग घायल

जानकारी के मुताबिक, तुर्की और सीरिया में कम से कम 4300 लोग मारे गए हैं और करीब 15000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। देश के उपराष्ट्रपति फिएट ओकटे का हवाला देते हुए बताया रिपोर्ट में बताया गया कि तुर्की में करीब तीन हजार लोगों की जान गई है। 10 शहरों में 1,700 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। वहीं, सीरिया में कम से कम 1444 लोग मारे गए और हजारों घायल हो गए। इस्राइल और लेबनान में भी कई मौतों की आशंका जताई जा रही है।

चार देशों में भूकंप ने भारी तबाही मचाई

तुर्की और सीरिया सहित चार देशों में सोमवार को भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। यहां बीते दिन तीन बार भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से कई इमारतें धराशायी हो गईं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी गई। सैकड़ों लोग अभी भी मलबे के नीचे फंसे हुए हैं और कई लापता हैं। मृतकों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। तुर्की में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है।

क्रिकेटः 2021 में टीम को बनाया था विश्व चैम्पियन

आस्ट्रेलिया के एरोंज फिंच ने टी20 की कप्तानी से लिया सन्यास

स्पोर्ट्स डेस्क/ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान एरोन फिंच ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। वह टेस्ट और वनडे क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके थे और अब उन्होंने टी20 से भी संन्यास का एलान किया। फिंच ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल टी20 कप्तान रहे हैं। उनके नेतृत्व में कंगारू टीम साल 2021 में पहली बार टी20 विश्व कप जीती थी। एरोन फिंच ने 76 टी20 और 55 वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की।

फिंच ने कुल 254 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, इसमें पांच टेस्ट, 146 वनडे और 103 टी20 मैच शामिल हैं। फिंच ने अपने संन्यास को लेकर कहा यह महसूस करते हुए कि मैं 2024 में अगले टी20 विश्व कप तक नहीं खेलूंगा, अब पद छोड़ने का सही समय है और टीम को उस टूर्नामेंट की योजना बनाने और उस पर अमल करने का समय देना चाहिए। मैं उन सभी प्रशंसकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर में मेरा समर्थन किया।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, आईएम आतंकी की तलाश जारी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। एयरपोर्ट पर सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। बता दें कि सोमवार को इरफान अहमद नामक व्यक्ति ने कॉल करके एयरपोर्ट पर हमले की धमकी दी थी। आरोपी ने खुद को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन का सदस्य बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी मुंबई के अंधेरी ईस्ट इलाके जा सकते हैं, जहां वह दाऊदी बोहरा समुदाय की अरेबिक एकेडमी का उद्घाटन कर सकते हैं। दाऊदी बोहरा समुदाय के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर बताया गया है कि वह परम पावन सैयदाना मुफद्दल सैफुद्दीन के साथ मंच साझा कर सकते हैं। मुंबई दौरे पर पीएम मोदी भारतीय नौसेना के मुंबई के कोलाबा स्थित बेस पर भी जा सकते हैं। प्रधानमंत्री के दौरे के चलते शहर में 10 फरवरी तक ड्रोन या कोई अन्य फ्लाइंग एक्टिविटी करने पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि सोमवार शाम में ही महाराष्ट्र के नागपुर में दो अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस संबंध में धमकी भरा कॉल नागपुर पुलिस स्टेशन कंट्रोल रूम को मिला। आरोपी की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सटोरियों को पकड़ना दुर्ग पुलिस पर पड़ा भारी, यूपी की पुलिस ने दर्ज किया अपहरण का केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के अपार्टमेंट से ऑनलाइन सट्टा लॉयन बुक-15 के पांच पैनल चला रहे दुर्ग भिलाई व छत्तीसगढ़ के सटोरियों को गिरफ्तार किया। इस मामले में सोमवार को एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने खुलासा भी किया। इनकी गिरफ्तारी ने दुर्ग पुलिस की मुश्किल बढ़ा दी है। इस मामले में यूपी पुलिस ने बिना जानकारी के कार्रवाई करने को लेकर दुर्ग पुलिस पर धारा 365 के तहत केस दर्ज किया है।

बता दें पुराने पकड़े गए सटोरियों से मिले इनपुट के आधार पर दुर्ग पुलिस व एंटी क्राइम व साइबर यूनिट की टीम ने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित एलिस्टोनिया अपार्टमेंट सोसायटी से दुर्ग पुलिस ने 9 सटोरियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार सटोरियों में लोकेश कलवानी सुंदर बाजार भाटापारा, अभिषेक सिंह शांति नगर भिलाई, विशाल कुशवाहा गणेश नगर, एसीसी जामुल, अंकुश वर्मा संग्राम चौक, कैम्प-1 छावनी, आकाश साहू हार्डवेयर लाइन सुपेला, अंकित कनौजिया शॉप नंबर 8, वैशाली नगर, वैभव सिंह टिकरापारा बिलासपुर, शुभम राव एचएससीएल कालोनी सेक्टर 6 व डी आशीष जोन-1,सड़क 15, खुर्सीपार शामिल हैं। यह सभी लॉयन बुक-15 ब्रांच के पांच पैनल का संचालन कर रहे थे।

अब इस मामले में ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने दुर्ग पुलिस पर बिना सुचना दिए सटोरियों को पकड़ने का आरोप लगाया है। यूपी पुलिस ने इस मामले में दुर्ग पुलिस पर अपहरण की धारा 365 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं इस मामले में दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव का कहना है पुलिस ने विधि अनुसार की कार्रवाई की है। यूपी पुलिस से जो भी नोटिस मिलेगा उसका तथ्यों के साथ जवाब दिया जाएगा।

खेल-खेल में सेहत का पुराना फंडा फ्लॉप

श्रीकंचनपथ

आउटडोर गेम्स से सेहत सुधरती है, यह फंडा अब फ्लॉप हो चुका है. अब पैसा ही सेहत है। खेलने से ज्यादा पैसा अब खिलाड़ियों पर पैसा लगाने से आता है। आप अपने कमरे में बैठकर मोबाइल या लैपटॉप पर खेलकर करोड़ों के वारे-न्यारे कर सकते हो। व्यापार में पैसा कमाने का एक सीधा सा फार्मूला है ङ्क या तो आप कुछ एकदम नया करो, जिसमें आपके अलावा कोई घुसने का साहस न जुटा सके या फिर किसी काम को इतने अच्छे से करो कि चारों तरफआपकी जय-जयकार हो जाए। कुछ ऐसा ही किया छत्तीसगढ़ के एक युवा समूह ने। उसने देखा कि क्रिकेट खेलने वालों से ज्यादा क्रिकेट और क्रिकेटर्स के फैन हैं। कुछ लोगों की क्रिकेट की समझ तो बीसीसीआई से भी आगे तक जाती है। ऐसे लोग खेल शुरू होने के तुरंत बाद बता देते हैं कि आज का मैच कौन जीतने वाला है। कौन सा बल्लेबाज आज कितने रन बनाएगा, किसकी संेचुरी पूरी होगी और कौन सा गेंदबाज आज खूब पिटेगा। इन भविष्यवाणियों पर घर-घर पैसा लगता था। उन्होंने ऑनलाइन क्रिकेट गेमिंग का एक धंधा शुरू किया। पुलिस की नजर में यह सट्टा है। देश में सट्टा खिलाना अपराध है। इसलिए उन्होंने अपना ठीया दुबई में बनाया। दुबई में सट्टा लीगल है। क्रिकेट के सट्टे से उन्होंने इतना कमाकर दिखाया कि बड़े-बड़े कारोबारी और अफसर इसमें पैसा लगाने लगे। इसमें रियल एस्टेट, होटल कारोबारी, उद्योगपति, पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारी सभी शामिल हो गए। इस कंपनी ने इतना पैसा कमाया कि दुबई में अपनी सुरक्षा का ठेका तक दाऊद को दे दिया। इधर कुछ लोगों का कहना है कि यह पैसा पाकिस्तान भी जा रहा है, जहां लोगों को रोटियों के लाले पड़े हुए हैं। आरोप यह भी हैं कि यह पैसा आतंक की फंडिंग में भी लग रहा है। खूब मगजमारी और धरपकड़ के बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। अब ईडी भी इसमें जुड़ गई है। यह ऑनलाइन सट्टा है। पैसा सीधे खाते से लगता है और खाते में ही आता है। पर पैसा आते ही खाता खाली हो जाता है। पुलिस और ईडी इसी रहस्य को बेधने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि कुछ लोग आईडी खरीदकर दूसरों को सट्टा खिला रहे हैं। इसलिए पैसा आने के लगभग तुरंत बाद खाता खाली हो जाता है और सट्टा लगाने वालों को नकद भुगतान हो जाता है। वैलेंटाइन डे पर इस सट्टा किंग की शादी है। वह अपने कालेज की गर्लफ्रेंड से विवाह कर रहा है। यह शानदार विवाह क्रूज पर होगा जिसके लिए चार-चार क्रूज बुक हो चुके हैं। सैकड़ों कार्ड बंटे हैं। कार्ड के साथ महंगे तोहफे और ड्राइफ्रूट्स भी दिये गये हैं। लोगों को हवाईयात्रा की टिकट भेजी गई है। जिनके पास पासपोर्ट नहीं था, उनका पासपोर्ट रातों रात बनवा दिया गया। लाइफमें और क्या चाहिए? आज के भारत में तो पैसा ही भगवान है।

संपादकीय

फिर भूकंप का इशारा

हमारी धरती फिर एक भयानक भूकंप के रूबरू है और मानवता दर्द से कराह रही है। तुर्कीये और सीरिया में बहुत लोगों की जान गई है और हजारों घायल हुए हैं। 7.8 तीव्रता के भूकंप ने तुर्कीये को हिलाकर रख दिया। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र गाजियांटेप से लगभग 33 किलोमीटर (20 मील) और नूरदगी शहर से लगभग 26 किलोमीटर (16 मील) दूर था। यह भूकंप 18 किलोमीटर (11 मील) की गहराई में केंद्रित था, जिसने धरती को हिलाया और हजारों मकान ताश के पत्ते की तरह ढहने लगे। स्थानीय आपदा प्रबंधन की टीमें तत्काल राहत कार्य में सक्रिय हो गईं और निकटवर्ती यूरोपीय देशों से भी मदद पहुंच गई है। यूरोपीय संघ का बचाव दल भी राहत एवं बचाव के कार्यों में लग गया है। नीदरलैंड और रोमानिया की टीमें पहुंच चुकी हैं, इधर भारत भी बड़ी राहत और आपदा प्रबंधन टीम भेज रहा है। यह ऐसा समय है, जब पूरी दुनिया के सक्षम देशों को पीड़ित देशों के साथ खड़ा हो जाना चाहिए। साल 1999 में भी तुर्कीये में भयानक भूकंप आया था और तब 17,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। तुर्कीये के अनेक शहरों के कई इलाके पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं, मलबों में फंसे लोगों को जल्दी से जल्दी निकालना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की प्राण रक्षा हो सके। लोग 1939 में तुर्की में आए उस भूकंप को भी याद कर रहे हैं, जिसमें करीब 33,000 लोग काल के गाल में समा गए थे। तुर्कीये की गिनती दुनिया के सबसे खतरनाक भूकंप संवेदी क्षेत्रों में होती है। भू-वैज्ञानिक बताते हैं, तुर्कीये चार भूगर्भीय प्लेटों पर स्थित है। एक भी प्लेट हिलती है, तो तबाही मच जाती है। इस बार न केवल भूकंप की पुनरावृत्ति हुई, बल्कि धरती देर तक हिलती रही है। एक-दो मिनट के भूकंप को भी कई बार इमारतें झेल लेती हैं, लेकिन जब तीन मिनट से ज्यादा धरती हिलती है, तब कमजोर इमारतों को गिरने से बचाना मुश्किल हो जाता है। यह गौर करने की बात है, ऐसा नहीं है कि तमाम इमारतें ढह गई हैं, जो इमारतें खड़ी हैं, उनकी मजबूती की परख होनी चाहिए और आगे होने वाले किसी भी निर्माण में सचेत रहना चाहिए। तुर्कीये, सीरिया जैसे देशों में निर्माण की मजबूती के प्रति सचेत रहकर भविष्य में किसी भी आपदा से बचाव करने में जोर रहना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि ग्लोबल वार्मिंग, अत्यधिक दोहन-उत्खनन, पेड़ों-पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई, ग्लेशियर का पिघलना, बाढ़, जंगलों में आग आदि के चलते धरती का संतुलन बिगड़ चुका है। विभिन्न शोधों ने पहले ही बता दिया है कि विगत तीन दशक में आपदाएं तेजी से बढ़ रही हैं। भूकंप की संख्या भी बढ़ रही है। भारत में ही धरती पर बढ़ते दबाव की वजह से जोशीमठ में जो सब हुआ है, वह किसी से छिपा नहीं है। भारत में ही कई जगह से दरारों की खबरें सामने आने लगी हैं। भारत के नीचे स्थित भूगर्भीय प्लेट तुर्कीये जैसी संवेदी नहीं है, पर तब भी भारतीय प्लेट खिसक रही है और हिमालय की ऊंचाई बढ़ रही है। छोटे-छोटे भूकंप निरंतर दर्ज किए जा रहे हैं। आखिर समाधान क्या है? दुनिया के देशों को मिलकर धरती व अपनी सुरक्षा के प्रबंध करने चाहिए। एक जगह आपदा आएगी, तो दूसरी जगह भी उसका दुष्प्रभाव तय है। यूरोप की आपदा एशिया की भी आपदा हो व एशिया की आपदाओं को यूरोप भी गंभीरता से ले। जब भी ऐसी आपदा आए, तो मानव जाति साथ खड़ी हो जाए, इससे बेहतर और क्या है।

> “ भारत में ही धरती पर बढ़ते दबाव की वजह से जोशीमठ में जो सब हुआ है, वह किसी से छिपा नहीं है। भारत में ही कई जगह से दरारों की खबरें सामने आने लगी हैं। भारत के नीचे स्थित भूगर्भीय प्लेट तुर्कीये जैसी संवेदी नहीं है, पर तब भी भारतीय प्लेट खिसक रही है और हिमालय की ऊंचाई बढ़ रही है।

> “ हमें भी अपनी नियामक संस्थाओं को कार्यपालिका के नियंत्रण से मुक्त और उत्तरदायित्व के संस्थागत अंतर्निहित प्रावधानों वाला बनाने के बारे में सोचना होगा।

कमियों पर वक्त रहते कसे शिकंजा

विभूति नारायण राय

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद पिछले एक सप्ताह में अडानी समूह की कंपनियों की परिसंपत्तियों में सौ खरब डॉलर से अधिक की कमी आ चुकी है और विश्व का तीसरा सबसे अमीर आदमी शीर्ष बीस की सूची से भी बाहर हो गया है। गनीमत है कि भारतीय बाजार या वित्तीय संस्थाओं में अभी तक कोई बहुत अधिक घबराहट नहीं दिखी है, पर यह सवाल तो उठना स्वाभाविक ही है कि वर्षों से चल रही अस्वाभाविक वित्तीय हरकतों पर नजर रखने वाली हमारी नियामक संस्थाएं आखिर क्या कर रही थीं?

यह पहली बार नहीं है कि देश की नियामक संस्थाएं तब तक गाफिल रहीं, जब तक कि किसी बाहरी संस्था ने कोई बड़ा भंडाफोड़ न कर दिया या घपलेबाज व्यक्ति या कंपनी किसी बैंक का ऋण चुकाने में असफल न हो गई हो। ऐसा भी नहीं है कि घपलों की आग के पीछे धुआं बिल्कुल अदृश्य रहा हो। मगर सिर्फ वे ही इसे लेकर गफलत में रह सकते हैं, जो इसे देखना ही नहीं चाहते, और वे हमारी नियामक संस्थाएं ही हैं।

रिजर्व बैंक, सेबी, ट्राई, डीआरआई, सीबीआई, एनआईए से लगायत विभिन्न राज्यों के विजिलेंस और भ्रष्टाचार निरोधक संगठन कुछ ऐसी ही नियामक संस्थाएं हैं, जिन्हें वित्तीय घपलों से निपटने के लिए बनाया गया है। यदि हम परिप्रेक्ष्य को थोड़ा विस्तृत कर देखें, तो न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों और ट्रिब्यूनल भी नियामक की तरह ही काम कर सकते हैं। पर हर्षद मेहता, केतन पारिख, विजय माल्या, नीरव मोदी या हाल के आईसीसीआई बैंक के मामलों में इन संस्थाओं में हरकत क्यों नहीं हुई या ऐसा कैसे हुआ कि सेबी जैसी एक रेगुलेटरी बॉडी में ही वर्षों तक घपला चलता रहा? ये कुछ ऐसे यक्ष प्रश्न हैं, जो अडानी समूह की कंपनियों के शेयर बाजार में औंधे मुंह गिर पड़ने के बाद एक बार फिर उठ खड़े हुए हैं।

यदि हम ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि नियामक संस्थाओं के साथ दो तरह की दिक्कतें उनके जन्म से ही जुड़ी होती हैं। किन्हीं राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय दबावों के चलते उनका गठन तो हो जाता है, लेकिन उनके अधिकारों या कर्तव्यों के क्षेत्र में ऐसे छिद्र छोड़ दिए जाते हैं, जिनका लाभ उठाते हुए कोई भी ताकतवर दोषी वर्षों तक अदालतों में दांव-पेच खेलकर अपने को बचाए रख सकता है। एक बार किसी संस्था का गठन हो जाने के बाद उसमें नियुक्त होने वाले अध्यक्ष या सदस्यों के पदों पर कई बार ऐसे लोगों की नियुक्ति हो जाती है, जो सर्वथा अक्षम होते हैं या जिनकी स्वयं की निष्ठा संदिग्ध होती है। ऐसे सदस्यों वाले संगठन भ्रष्टाचार से किस हद तक लड़ सकेंगे, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। पिछले दिनों नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की मुख्य कार्यपालक अधिकारी चित्रा रामकृष्णन का मसला बिल्कुल बाड़ द्वारा खेत खाने के मुहावरे का ही रूपक था। उनके नेतृत्व में एनएसई, जो खुद एक नियामक संस्था है, अपने उपभोक्ताओं के साथ आपराधिक छल छल करता रहा और उस पर नजर रखने वाली सेबी भी अपनी नियामक भूमिका भूलकर आंखें मूंदे रही।

लोकसेवकों के भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए बनी संस्थाओं के हाथ-पैर कैसे बांध दिए जाते हैं, इसके सबसे बड़े उदाहरण राज्यों के विजिलेंस संगठन हैं। कुछ राज्यों में एक निश्चित रैंक से ऊंचे अफसरों के खिलाफ कोई जांच बिना सरकार की इजाजत के नहीं हो सकती। यह इजाजत कितनी मुश्किल से मिलती है, इसका अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि विभिन्न सरकारों के पास हजारों की संख्या में जांच के प्रस्ताव लंबित हैं। उत्तर प्रदेश विजिलेंस संगठन में काम करते समय मैंने पाया कि किसी लोकसेवक के खिलाफ जांच शुरू होने और अदालत में चार्जशीट दाखिल करने के क्रम में आधा दर्जन से अधिक चरणों की अनुमति के लिए सरकार के पास जाना पड़ता है और किसी भी स्वीकृति को हासिल करने में महीनों से लेकर सालों तक समय लग सकता है। यदि लोकसेवक पहुंच वाला हो, तो यह स्वीकृति कभी नहीं आती। नेकनीयत लोकसेवकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए रक्षा कवच भ्रष्ट अधिकारियों की हिफाजत के लिए काम आते हैं। दिलचस्प यह है कि भ्रष्टाचार निरोधक कानूनों के तहत कार्रवाई करने वाली एजेंसियां एक ही मामले में अलग-अलग मापदंडों से कार्रवाई करती हैं। मसलन, एक सामान्य पुलिस थाने को, जिसके पास संसाधन व विशेषज्ञता कम है, अपने से ज्यादा बेहतर सुसज्जित विजिलेंस संगठनों के मुकाबले सरकार के पास इजाजत के लिए कम दौड़ना पड़ता है, क्योंकि उन्हें आईपीसी या सीआरपीसी से सीधे अधिकार मिले हुए हैं, जबकि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए बने कानून और प्रक्रियाएं विजिलेंस से जुड़ी संस्थाओं के सामने कदम-कदम पर रुकावटें खड़ी करती हैं।

पिछले दिनों नोएडा में 32 मंजिला जुड़वां इमारतों को अदालती आदेश के चलते गिरा दिया गया। एक बार गिर जाने के बाद यह तो साबित हो ही गया कि इनका निर्माण भ्रष्टाचारी लोकसेवकों की मिलीभगत से ही संभव हुआ था, फिर भी वर्षों बाद भी उन्हें जेल नहीं भेजा जा सका और उबाऊ प्रक्रियाओं में जांच लंबित रही। राजधानी दिल्ली के ठीक बगल में घटित यह बड़ा मामला इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है कि इन इमारतों के बगल से गुजरने वाली सड़क से रोज वे लोग गुजरते रहे, जिनकी जिम्मेदारी इनके निर्माण को रोकने की थी और वे अपनी आंखें मूंदे रहे। हमारे तंत्र में उत्तरदायित्व निर्धारित करने की स्वतस्फूर्त प्रक्रिया का अभाव ही इसका सबसे बड़ा कारण हो सकता है।

अडानी समूह की कंपनियों की गिरावट का वित्तीय संस्थाओं पर बुरा असर पड़ा, तो निश्चित रूप से उसका खामियाजा देश के आम निवेशकों को भुगतना पड़ेगा। यह एक स्वाभाविक सवाल हो सकता है कि उनके तरक्की के ग्राफ को अस्वाभाविक रूप से ऊपर बढ़ते देखकर भी नियामक संस्थाएं क्यों नहीं चेतीं?

हाल में ब्रिटिश प्रधानमंत्री द्वारा सीट बेल्ट न बांधने के जुर्म में लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने जुर्माना ठोक दिया था या अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के घर की तलाशी लेकर एफबीआई ने कई ऐसे गोपनीय दस्तावेज बरामद कर लिए हैं, जिनको उनके घर में नहीं होना चाहिए था। यह सब शायद इसीलिए संभव हो सका कि इन मुल्कों में नियामक संस्थाएं स्वतंत्र हैं। हमें भी अपनी नियामक संस्थाओं को कार्यपालिका के नियंत्रण से मुक्त और उत्तरदायित्व के संस्थागत अंतर्निहित प्रावधानों वाला बनाने के बारे में सोचना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीयों की थाली में क्या फिर लौट आएंगे मोटे अनाज

मनु जोसफ

भारत का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बेहतरीन भोजन के रूप में मोटे अनाज की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुमोदन में मेज थपथपाई और शेष संसद हर्ष में शामिल हो गई, मानो वे सभी इन प्राचीन मोटे अनाजों के शौकीन हों।

वैसे, भारत इन दिनों कुछ दिलचस्प काम कर रहा है। भारतीयों व बाकी दुनिया को वह स्वास्थ्य सलाह की पेशकश कर रहा है। भारत लोगों से मोटे अनाज खाने को कह रहा है। वैसे इसकी मुख्य प्रेरणा तो इन अनाजों से अधिक धन कमाना प्रतीत होता है, क्योंकि भारत मोटे अनाजों का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत सरकार भी इन अनाजों को सेहत के अनुकूल मानती है। भारतीय राष्ट्रवादी सोचते हैं कि जो कुछ भी प्राचीन है, वह हमारे लिए अच्छा है। ऐसे में, मोटे अनाज 'महान' घोषित होने की राह पर हैं। हालांकि, इस दलील में अतिशयोक्ति शामिल है। विचार करना चाहिए कि क्या मोटे अनाज को अपनाने में देर नहीं हो गई है? क्या ये अनाज अब मान्यता के लायक हैं? हां, ये चावल और गेहूं की तुलना में अधिक स्वास्थ्यकर हैं, इसलिए इनका ढिंढोरा पीटा जा रहा है।

वैज्ञानिक दृष्टि से मोटे अनाज एक प्रकार की घास के फल होते हैं; उन्हें घास के बीज या बीज वाले फल भी माना जा सकता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम क्या खाते हैं, इसका अधिकांश हिस्सा हमारे पेट में ग्लूकोज बन जाता है और हमारे खून में मिल जाता है। ग्लूकोज शुगर या शर्करा का एक सरल रूप है। जितनी जल्दी कोई भोजन शुगर बनता है, उतना ही वह हमें आकर्षित करता है। किसी भी पौधा-आधारित भोजन की व्यावसायिक सफलता शर्करा वितरण पर निर्भर करती है, इसीलिए हमारे समय के सबसे सफल अनाज चावल और गेहूं हैं। अनाजों की दौड़ में चावल और गेहूं

इसलिए विजयी हुए, क्योंकि उनकी आधुनिक किस्में स्वादिष्ट हैं; इसके अलावा ज्यादा चबाने-पकाने की असुविधा के बिना बहुत परिष्कृत रूपों में इनका सेवन किया जा सकता है।

आधुनिक दुनिया मीठे की गुलाम है। कोई भी धर्म या परंपरा या यहां तक कि मां का प्यार भी मिठास के बिना नहीं चल सकता। लोग अपनी लत के लिए शुगर लॉबी को दोष देते हैं, मानो 'उबली गोभी लॉबी' होती, तो सब उबली गोभी ही खा रहे होते? कुल मिलाकर, भारत में शुगर से बचाव आसान नहीं। आधुनिक चावल व गेहूं की सफलता का नतीजा है कि ये बहुत अच्छे शुगर-वितरण साधन हैं। इन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन को अत्यधिक शर्करा से भर दिया है। चावल और गेहूं की तुलना में मोटे अनाज हमारे अंदर बहुत धीरे-धीरे ग्लूकोज में तब्दील होते हैं, इसलिए ये स्वास्थ्य के अनुकूल माने जाते हैं।

स्वस्थ भोजन क्या है? यह गंभीर विवाद का क्षेत्र है। फिलहाल, मेरा जोर इस बात पर है कि शरीर में शर्करा बनने की प्रक्रिया को धीमा कैसे किया जा सकता है? चावल व गेहूं में भी फाइबर होता है, पर मोटे अनाजों में ज्यादा होता है। फाइबर भोजन के ग्लूकोज में रूपांतरण को धीमा कर देता है। शरीर की इस व्यवस्था का सबसे अच्छा विवरण मुझे हरमन पोंटजर की किताब बर्न द मिसअंडरस्टूड साइंस ऑफ मेटाबोलिज्म में मिला है, जिसके मुताबिक, फाइबर आंतों की दीवारों पर एक जाली जैसा फिल्टर बनाता है, जो शर्करा के अवशोषण को धीमा कर देता है व रक्त-प्रवाह में पोषक तत्वों के लिए ज्यादा जगह बनती है।

फाइबर लोगों को परिपूर्णता का एहसास कराता है, जिससे लोग कम खाते हैं। इसके अलावा, आम तौर पर लोग रेशेदार की तुलना में अन्य अनाज व सब्जियों का स्वाद ज्यादा पसंद करते हैं। इसी से मुझे लगता है, भारत में मोटे अनाज का प्रचार अधिक सफल नहीं होगा। दुनिया ने हमेशा दिखाया है कि लोग स्वास्थ्य के बारे में बात तो खूब करते हैं, लेकिन स्वादिष्ट भोजन को ही तरजीह देते हैं। गरीब जैसे ही कुछ पैसे वाले होते हैं, तो मोटे अनाज को छोड़ देते हैं। सदियों से यही होता आया है। बेशक, मोटे अनाज जीवित रहेंगे, पर उनका अलग आला बाजार होगा। मोटे अनाजों का ज्यादा प्रचार उनके उपयोग को विभिन्न प्रयोगों के जरिए खराब करेगा। ऐसा होने भी लगा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आत्मा के कितने करीब

प्रेम न होने पर अनासक्त होना आसान है, मगर अनन्य प्रेम में होते हुए अविचलित रहना, परवाह करना पर चिंतित न होना, आग्रही होना पर व्यग्र न होना, ये सभी प्रकाशमान आत्मा के लक्षण हैं। दस व्यक्ति एक गांव से दूसरे गांव पैदल जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक नदी पार करनी थी। वे सभी एक नाव पर सवार होकर दूसरे तट की ओर बढ़े। दूसरे तट पर पहुंचने के बाद वे निश्चिंत होना चाहते थे कि सभी सही-सलामत पहुंच गए हैं। प्रत्येक व्यक्ति ने गिनती शुरू की, लेकिन उनमें से हरेक की गिनती नौ पर खत्म हो जाती । वे सब व्याकुल हो गये और दसवें के दुख में रोने लगे। एक ज्ञानी व्यक्ति वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने उनसे पूछा, 'मित्रो, आप सब क्यों रो रहे हो?' उनमें एक ने कहा, 'हम दस एक साथ गांव से चले थे, परंतु अब हम केवल नौ हैं। ज्ञानी व्यक्ति ने देखा कि वे तो पूरे दस हैं। उन्होंने उनको फिर से गिनती करने को कहा। हर एक ने नौ तक गिना, और अपने आप को छोड़ दिया। तब ज्ञानी पुरुष ने सबको एक पंक्ति में खड़ा कर एक-एक करके गिनती करवाई और आखिरी व्यक्ति से कहा, 'तुम दसवें हो।' दशम के मिल जाने पर सबने खुशियां मनाई। इसी प्रकार, हमारी पांच इंद्रियां और चार आंतरिक शक्तियां मन, बुद्धि, स्मृति और अहं, सभी विलाप करती हैं, जब वे आत्मा से दूर हो जाती हैं। फिर गुरु आते हैं और तुम्हें दिखाते हैं कि तुम ही दशम हो। गिनती करो, लेकिन तब तक न रुको, जब तक कि दसवां न मिल जाए। शाश्वत सत्ता का ज्ञान आनंद लाता है। इच्छा, कर्म और आत्म-सजगता सभी उसी ऊर्जा की अभिव्यक्ति हैं, जो तुम हो। इन तीनों में एक समय पर एक ही प्रबल रहता है। जब इच्छा प्रबल रहती है, तब आत्मा के प्रति सजगता सबसे कम होती है, जिसके फलस्वरूप तनाव व दुख होता है। इसीलिए संसार भर के दार्शनिकों ने त्याग व वैराग्य का समर्थन किया है। जब कर्म अधिक प्रबल होता है, तो बेचैनी और बीमारी आती है। जब सजगता प्रबल होती है, तो सुख का आविर्भाव होता है। और जब तुम्हारे कर्म और तुम्हारी इच्छाएं पूर्णत ईश्वर के प्रति समर्पित होती हैं, तब चेतना स्वत उन्नत होती है। आत्मा न दुख जानती है, न मृत्यु, फिर भी इसी में जीवन की सभी घटनाएं बहती हैं। प्रेम न होने पर अनासक्त होना आसान है, लेकिन अनन्य प्रेम में होते हुए अविचलित रहना, परवाह करना पर चिंतित न होना, आग्रही होना पर व्यग्र न होना, ये सभी प्रकाशमान आत्मा के प्रत्यक्ष लक्षण हैं। आत्मा केवल मन और शरीर का सम्मिश्रण नहीं है। वह न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो, और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उनको अपने जीवन में ढालकर अपने चारों ओर एक दिव्य जगत की सृष्टि करो।

श्री श्री रविशंकर

बापू को बेटे की श्रद्धांजलि

''आज मैं आपके सामने एक अनाथ की तरह बोल रहा हूं। रेडियो पर बोलने को उद्यत मैं इसलिए हुआ कि मैं चाहता हूं, मेरे ही समान जो दूसरे लोग अनाथ हुए हैं, उन्हें भी अपने शोक और चिन्तन में भागीदार बना सकूं। जो अन्धकार हम पर छाया है, उसने सबको समान रूप से ग्रसित किया है और मैं जानता हूं कि मैं अपने चारों ओर अंधकार ही अंधकार की जो अनुभूति कर रहा हूं, वह अकेली मेरी ही अनुभूति नहीं है। यह महात्मा गांधी के कनिष्ठ पुत्र श्री देवदास गांधी ने आज रात को अ.भा. रेडियो स्टेशन पर बोलते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा— मुझ में और बापू में पिता-पुत्र का जो स्वाभाविक प्रेम था उसका साक्षी ईश्वर है। वह दिन मुझे आज भी याद है, जबकि लगभग 20 वर्ष की आयु में मैं बापू से अलग होकर विशेष अध्ययन के लिए काशी जा रहा था और तब बापू ने झट आगे बढ़कर बड़े प्रेम से मेरा माथा चूम लिया था। पिछले कुछ महीनों से जब से कि बापू दिल्ली में थे, मेरे तीन वर्षीय पुत्र को उनका लाड़ प्यार पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

समावेशी विकास और सार्वभौमिक सह-अस्तित्व का संयोजन

आलोक कुमार,सचिव, विद्युत

भारत की जी-20 अध्यक्षता का केंद्रीय भाव- वसुधैव कुटुम्बकम, यानी सभी जीवित प्राणियों- मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीव और पृथ्वी पर इनके परस्पर संबंध के महत्व की पुष्टि करता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के शब्दों में, भारत की जी-20 की अध्यक्षता इस सार्वभौमिक सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने का प्रयास करेगी और इसलिए एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य इसका आदर्श वाक्य है। जी-20 के नेतृत्व का अवसर ऐसे समय में आया है, जब अस्तित्व से जुड़े खतरे बढ़ रहे हैं और इनके स्थायी समाधान ढूंढने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों का समाधान करना, भारत की जी-20 की अध्यक्षता की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके तहत दुनिया के विकासशील देशों में जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को समर्थन देकर न्यायोचित तरीके से ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोतों को अपनाने पर जोर दिया गया है। दुनिया के लिए सार्थक और स्थायी समाधान प्राप्त करने के उद्देश्य से, वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं, आकांक्षाओं और मुद्दों को सामने रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनमें से कई देशों को महत्वपूर्ण मंचों पर अपनी बातें रखने का मौका नहीं मिलता है। ऊर्जा क्षेत्र में आज दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं- पहुंच, सुरक्षा, उपयोग-सामर्थ्य से लेकर जलवायु परिवर्तन के वैश्विक मुद्दे तक। स्थायी ऊर्जा भविष्य के लिए इन मुद्दों को समग्र रूप में देखना महत्वपूर्ण है।

भारत, अपनी ओर से, कम कार्बन वाली विकास रणनीति के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के ऊर्जा उत्पादन मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। आज, भारत पूरी दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसकी स्थापित बिजली क्षमता का 42.25 प्रतिशत हिस्सा, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आता है।

हम स्थापित क्षमता के मामले में चौथे सबसे बड़े देश हैं और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से भी एक हैं। भारत ने 2021 में नवीकरणीय क्षमता में वैश्विक स्तर पर सबसे तेज वृद्धि (70 प्रतिशत) दर्ज की है, जिसके तहत केवल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश 2021 में 11.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारत के सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता भी 2005 के स्तर की तुलना से 28 प्रतिशत कम हो गई है। भारत जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों के स्थायी समाधान ढूंढ़ने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है। यह 2021 में ग्लासगो शिखर सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जहां 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को एक बिलियन टन तक कम करने की घोषणा की गयी थी। सीसीपीआई सूचकांक (जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक) में, भारत को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले बड़े देशों में स्थान दिया गया है। भारत, आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और एक अरब से अधिक लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। अनुमान है कि 2040 तक हमारी ऊर्जा की मांग दोगुनी से अधिक हो जाएगी। इस अनुमानित वृद्धि के साथ स्थायी बिजली उत्पादन, कार्बन उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने की जिम्मेदारी भी आती है। सरकार ने देश के हर गांव और हर जिले को शामिल करते हुए सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त करने के उद्देश्य से सौभाग्य योजना- 'सार्वभौमिक पहुंच के लिए योजना' शुरू की। भारत ने 2019 के अंत तक रिकॉर्ड समय में सार्वभौमिक विद्युतीकरण हासिल किया, जिसके अंतर्गत कुल 28.6 मिलियन घरों का विद्युतीकरण किया गया।

भारत में ऊर्जा दक्षता को उच्च प्राथमिकता दी गयी है। नीतिगत तौर पर, व्यक्तिगत और संस्थागत, दोनों ही स्तरों पर ऊर्जा के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की गयी हैं। उजाला (सभी के लिए सस्ते एलईडी द्वारा उन्नत ज्योति) योजना, 2015 में शुरू की गयी, जिसका उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं को एलईडी बल्ब प्रदान करना था। इसका लक्ष्य 770 मिलियन तापदीप्त बल्बों को एलईडी बल्बों से बदलना था, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा एलईडी वितरण कार्यक्रम बन गया। यह कार्यक्रम, प्रकाश व्यवस्था में ऊर्जा दक्षता को लक्षित करता है, क्योंकि यह ऊर्जा बचाने के लिए बड़े पैमाने पर अवसर प्रदान करता है। एक और बेहद सफल योजना है, उज्ज्वला- जो परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करती है। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाती है, उनके द्वारा किये जाने वाले कठिन श्रम को कम करती है, रसोई की समयावधि में कमी लाती है और समग्र रूप से उनके स्वास्थ्य में सुधार करती है।

ऊर्जा संरक्षण अधिनियम के तहत, हमने विशिष्ट ऊर्जा खपत (एसईसी) को कम करने के उद्देश्य से पीएटी (कार्यक्रम निर्माण, प्राप्ति और व्यापार) योजना भी शुरू की, यानी, ऊर्जा गहन क्षेत्रों में नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के लिए उत्पादन की प्रति यूनिट ऊर्जा का उपयोग तथा एक सम्बन्धित बाजार व्यवस्था के साथ अतिरिक्त ऊर्जा बचत, जिसका व्यापार भी किया जा सकता है, के प्रमाणीकरण के जरिये लागत प्रभावशीलता को बढ़ाना। अतिरिक्त ऊर्जा बचत को व्यापार योग्य उपकरणों में परिवर्तित किया जाता है, जिन्हें ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र (ई एस सी) कहा जाता है और इनका बिजली एक्सचेंजों में कारोबार किया जाता है।

हाल ही में, संसद ने ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया है। विधेयक ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को बढ़ावा देता है और यह निर्धारित करता है कि नामित उपभोक्ता, अपनी ऊर्जा या फीडस्टॉक की जरूरतों के एक निश्चित अनुपात को गैर-जीवाश्म स्रोतों से पूरा करने के लिए बाध्य हो सकते हैं। इमारतों के लिए ऊर्जा संरक्षण संहिता, अब 100 किलोवाट या उससे अधिक के भार वाले बड़े कार्यालयों और आवासीय भवनों पर लागू होगी। अधिनियम में अब कार्बन बाजार स्थापित करने के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। हमारे एनडीसी को पूरा करने के लिए देश में प्राथमिकता के आधार पर कार्बन क्रेडिट का उपयोग किया जाएगा। भारत ने धीरे-धीरे आर्थिक विकास को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से अलग कर लिया है। इन निरंतर पहलों का समर्थन करने के लिए, भारत ने हाल ही में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है, जिसका उद्देश्य भारत को दुनिया के सबसे बड़े हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है।

प्रौद्योगिकी की प्रगति और जलवायु परिवर्तन के उपायों को मिल रहा समर्थन दुनिया के ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन को गति दे रहा है। भारत ने 2015 में पेरिस में आयोजित सीओपी-21 में बिजली उत्पादन का 40 प्रतिशत हिस्सा, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने का वादा किया था। हमने इस लक्ष्य को 2030 की समय सीमा से काफी पहले 2021 में ही हासिल कर लिया है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत ने लगातार नेतृत्व की भूमिका निभायी है। देश का विज़न है- 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन स्तर हासिल करना। अल्पावधि के लिए, देश ने 2030 तक गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन क्षमता को 500 जीडब्लू तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

जी-20 की अध्यक्षता में, भारत ने उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है जिनमें स्थायी जीवनशैली के लिए एक नया दृष्टिकोण लाने की क्षमता है। हम प्रौद्योगिकी के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण और कृषि से लेकर शिक्षा तक में- डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, वित्तीय समावेशन और प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए अधिक से अधिक ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के प्रति अपने विश्वास को प्रदर्शित करने के लिए तत्पर हैं। हम समावेशी विकास को रेखांकित करने के लिए जी-20 मंच का उपयोग करना चाहते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

ग्रामीण उद्योग नीति बनाने की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जाए: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए नई उद्योग नीति की तर्ज पर जल्द ही ग्रामीण उद्योग नीति बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। श्री बघेल अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को गोबर क्रय तथा लाभांश राशि के ऑनलाईन वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रय में 8 करोड़ 23 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रय को संबोधित करते हुए कहा कि गौठान से जुड़े रूरल इंडस्ट्रियल पार्क अधिकतर जगहों पर क्रियाशील हो रहे हैं। अब यह पूर्णरूप से कार्य करें उसके पहले हमें ग्रामीण उद्योग नीति बनाने की दिशा में कार्य करना होगा इसके लिए संबंधित विभाग जल्द प्रक्रिया पूर्ण करें। जिससे कि जब पूर्ण रूप से रूरल इंडस्ट्रियल पार्क कार्य करना प्रारंभ करेंगे तो इनसे जुड़े हितग्राहियों को बैंक से ऋण लेना तथा अन्य व्यवसाय शुरू करने में मदद मिल सके।

मुख्यमंत्री ने पशुपालकों सहित गौठान से जुड़े महिला समूहों को बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि वे लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। 8.23 करोड़ के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 403 करोड़ 58 लाख रूपए हो जाएगा। इसी प्रकार गोबर विक्रेताओं को 4.76 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 206 करोड़ 49 लाख रूपए हो जाएगा। उन्होंने गोबर से बिजली उत्पादन के लिए शुरू की गई बिजली यूनिट पर खुशी जाहिर करते हुए, इन यूनिटों से उत्पादित बिजली को पॉवर ग्रिड से जोड़ने और बिजली की कीमत तय करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि यह गर्व की बात है कि राज्य में अब तक 4927 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की जमा पूंजी से गोबर क्रय करने लगे हैं। अभी तक जो गौठान समूह जो दीया, वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि बना रहे थे अब वे बिजली उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जो बिजली उत्पादन के लिए एमओयू किए गए थे, उनमें बेमेतरा और बस्तर की यूनिट जमीनी स्तर पर मूर्त रूप ले चुकी है। अब इसे उत्पादित बिजली को पावर ग्रिड से जोड़ने और इससे उत्पादित बिजली की कीमत तय करने का कार्य जल्द पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने गोबर से पेंट बनाने की इकाई की समीक्षा करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि 21 जिलों में 23 पेंट की इकाई प्रक्रियाधीन हैं, 13 ईकाई पूर्ण हो गई हैं। 17 हजार लीटर से अधिक पेंट का उत्पादन हो गया है और 22 लाख रूपए से अधिक की राशि की आय अर्जित की गई है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जल्द ही स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में बड़ी मात्रा में पेंट की आवश्यकता होगी अत: हमें मांग और पूर्ति में संतुलन बनाकर प्राकृतिक पेंट का उत्पादन करना होगा ताकि सही समय में आवश्यकतानुसार पेंट की पूर्ति की जा सके।

एनटीपीसी रिटेल ने किया एसोसिएट प्रशिक्षण का शुभारंभ

महिलाओं को रोजगार अवसरों से जुड़ने का मिलेगा मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी, एनटीपीसी लिमिटेड अपने नैगम सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत सामाजिक सरोकारों के लिए विभिन्न कार्य करती आई है।

इसी दिशा में एनटीपीसी की कोरबा इकाई ने हाल ही में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सतत प्रयास करते हुए रिटेल एसोसिएट प्रशिक्षण का उदघाटन किया। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के दृष्टिकोण से, प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। एनटीपीसी कोरबा, अमभुजा फ़ाउंडेशन के साथ सहभागिता कर, 25 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेगा। तीन माह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में निकटतम ग्रामों की महिलाएं भाग लेंगी। नेशनल स्किल डेव्लपमेंट सेंटर द्वारा प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम में न्यूनतम 70 प्रतिशत प्रतिभागियों को सुनिश्चित प्लेसमेंट दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्सनालिटी डेवलपमेंट, बिलिंग मोड्यूल, मार्केटिंग, स्टोर मैनेजमेंट एवं इन्वेंट्री मैनेजमेंट जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्र की प्रगति में लगातार क्रियाशील एनटीपीसी लिमिटेड, नित नई ऊंचाइयों को हासिल कर रही है। बिजली उत्पादन के साथ-साथ एनटीपीसी अपने सामाजिक सरोकारों के माध्यम से देश हित में प्रयंत्नशील है। 'पीपल बिफोर पीएलएफ़' के सिद्धांत पर चलते हुए एनटीपीसी देश की विकास यात्रा को गति प्रदान कर रही है। इस विषय में परियोजना प्रमुख ने सभी प्रतिभागियों को अपनी बधाई प्रेषित करी और कहा की एनटीपीसी के लिए आजीविका विकास, सामुदायिक विकास के लिए किए कार्यों का एक प्रमुख स्तंभ है। सही कौशल के साथ, महिलाएं देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हमारा उद्देश्य महिलाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख के साथ साथ, मुख्य महाप्रबंधक, मैत्री महिला समिति के सदस्य एवं एनटीपीसी कोरबा की सीएसआर एवं एचआर टीम उपस्थित रही।

खास खबर

डब्ल्यूडीसी- पीएमकेएसवाय 2.0 योजनांतर्गत किसान उत्पादक संगठन एवं मिलेट मिशन

रायपुर। डब्ल्यूडीसी- पीएमकेएसवाय योजनांतर्गत क्षमता विकास के तहत किसान उत्पादक संगठन एवं मिलेट मिशन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला कार्यालय उप संचालक कृषि रायपुर के सभाकक्ष में आयोजित की गई। कार्यशाला में उप संचालक कृषि श्री आर. के कश्यप, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ गौतम राय, डॉ. स्वाती बिसेन, विषय वस्तु विशेषज्ञ, अनुविभागीय कृषि अधिकारी यू.के गव्हाड़े, सहायक संचालक कृषि श्रीमती ममता पाटिल, श्रीमती ईशरत ख्वाजा, सांख्यिकी अधिकारी अनिल सनाढ्य, नवनीत मिश्रा वाटरशेड ग्राम के डब्ल्यूडीटी एम.एल. देवांगन, श्रीमती सारिका, श्रीमती चन्द्रप्रभा, श्रीमती अंकिता, श्रवण पैकरा एवं माइक्रोवाटरशेड ग्राम-गनियारी, पिकरीडीह, बंगोली, मटियाडीह, बरोडा, असौंदा, मोंहदी, मुड़पार के प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहें। कार्यशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ गौतम राय द्वारा बताया गया कि किसान उत्पादक संगठन का मुख्य उद्देश्य एक संगठन के माध्यम से उनके स्वयं के उत्पादकों के लिए बेहतर आय सुनिश्चित करना है, जहां सदस्य किसान होते है। छोटे किसानों का कृषि व्यवसाय एफ्पीओ को बढ़ावा देने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। किसान उत्पादक संगठन का उद्देश्य कृषकों के लिए बेहतर आय प्राप्त करना है। लघु धान्य में फ्सलों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि लघु धान्य फ्सल एसिडिक विरोधी होते है। लघु धान्य फ्सल लस मुक्त (ग्लूटेन फ्री) है, टाइप 2 मधुमेह को रोकने में मदद करता है। रक्तचाप को कम करने में प्रभावित है, गेस्ट्रिक अल्सर या कोलन कैसर जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्थितियों के जोखिम को कम करता है एवं कब्ज, अधिक गैस, सूजन और ऐंठन जैसी समस्याओं को दूर करता है।

महापौर एजाज ढेबर, कमिश्नर मयंक चतुर्वेदी एवं चेम्बर प्रतिनिधि मंडल ने लिया मुख्य बाजारों का जायजा

वार्षिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार शहर में स्मार्ट बाजार की कवायद हुई तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज दिनांक 6 फरवरी 2023 को चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल एवं नगर पालिक निगम, रायपुर के महापौर माननीय एजाज ढेबर जी एवं कमिश्नर मयंक चतुर्वेदी जी द्वारा स्मार्ट बाजार बनाने शहर के मुख्य बाजारों का पैदल मार्च कर निरीक्षण किया गया।

चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल ने शहर के बाजारों को स्मार्ट बाजार में बदलने की घोषणा की थी जिसके परिपेक्ष्य में आज माननीय महापौर एजाज ढेबर जी और उनकी टीम तथा चेम्बर प्रतिनिधि मंडल ने शहर के व्यस्ततम प्रमुख पारंपरिक बाजारों को चिन्हांकित कर स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित करने हेतु निरीक्षण किया। श्री पारवानी ने बाजारों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रशासन एवं चेम्बर टीम ने पैदल भ्रमण करते हुए सदर बाजार, मालवीय रोड, बंजारी रोड, अमरदीप टॉकीज रोड होते हुए रवि भवन, शारदा चैक, एम जी रोड से गुरुनानक चैक पहुँच निरीक्षण किया कि किस तरह योजना बनाई जाए जिससे इन क्षेत्रों और बाजारों को कम से कम समय में स्मार्ट बाजार के रूप विकसित कर सकें। श्री पारवानी ने यह भी कहा कि उक्त बाजारों के व्यापारियों और व्यापारिक संगठनों से चर्चा कर यह जानकारी भी ली गई कि बाजारों में क्या कमी है और उसे कैसे दूर कर सकते हैं। जिसमे सदर बाजार व्यापारी संघ, रायपुर सराफ एसोसिएशन, मालवीय रोड शारदा चैक व्यापारी संघ, बंजारी रोड व्यापारी संघ, अमरदीप टाकीज रोड व्यापारी संघ, गुरुनानक चैक व्यापारी संघ, रवि भवन व्यापारी संघ एवं एम जी रोड व्यापारी संघ द्वारा महापौर जी को ज्ञापन सौंप कर अपने बाजारों से सम्बंधित समस्याओं से अवगत कराया गया जिसपे संज्ञान लेते हुए माननीय महापौर एजाज ढेबर ने उक्त समस्याओं का तत्काल निराकरण करने का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही सारे कार्य किए जायेंगे।

श्री पारवानी ने कहा कि निरीक्षण करते हुए यह देखा गया कि बाजारों में अधिकतम समस्याएं एक जैसी है जैसे कि शौचालय, खुले हुए विद्युत वायरिंग, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, पार्किंग लाइन, पार्किंग व्यवस्था, गारबेज निपटारा तथा ट्रेफ्कि सिग्नल जिनमे सुधार करके स्मार्ट बाजार के निर्माण में एक छोटी सी पहल हो सकती है। एक अच्छा बाजार जहां व्यापारी, ग्राहक और आम नागरिक खुलकर अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में अपना योगदान दे और स्वयं को सुरक्षित महसूस करे ऐसे बाजारों का निर्माण करना हमारा उत्तरदायित्व है। बाजार भ्रमण के दौरान महापौर जी ने 7 स्थानों को शौचालयों हेतु चयनित कर तत्काल व्यवस्था बनाने अधिकारीयों को निर्देशित किया, सिन्धी बाजार में चल रही अवैध पार्किंग को तत्काल प्रभाव से मुक्त किया, कई स्थानों पर सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे और ट्रेफ्कि सिग्नल की व्यवस्था हेतु आदेश दिए। निरिक्षण के समय निगम की पूरी टीम ने व्यापारियों द्वारा दिए जा रहे समस्याओं और सुझावों को लिख उनका तत्काल समाधान भी निकाला गया। पारवानी ने माननीय महापौर एजाज ढेबर और उनकी टीम को अपना महत्वपूर्ण समय देने हेतु हार्दिक धन्यवाद किया। इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार सुरिंदर सिंह, प्रदेश चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, उपाध्यक्ष, जय नानवानी, विनोद कुमार साहू, भरत जैन, मंत्री जितेंद्र गोलछा, नीलेश मूंधड़ा, राकेश (जनक) वाधवानी, अमित अग्रवाल, युवा चेंबर उपाध्यक्ष विपुल पटेल, नगर पालिक निगम महापौर एजाज ढेबर, कमिश्नर मयंक चतुर्वेदी, एमआईसी मेंबर (राजस्व) राधेश्याम विभार, जोन 4 के कमिश्नर महेंद्र पाठक, रायपुर सराफ एसोसिएशन के संरक्षक मदनलाल अग्रवाल, सलाहकार अशोक गोलछा, अशोक सोनी, अध्यक्ष सुरेश भंसाली, सचिव दीपचंद कोटड़िया, अशोक छाबड़ा, महेश प्रसाद राय, मन्नू वाधवानी, नीलेश बुधभट्टी, शिवम चंदानी एवं नगर पालिक निगम तथा स्मार्ट सिटी रायपुर के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने एलआईसी, स्टेट बैंक के सामने प्रदर्शन किया

मोदी से अडानी प्रेम में देश की जनता के पैसे को लुटाया - मरकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मोदी व अडानी परस्ती के कारण एलआईसी और स्टेट बैंक जैसे सार्वजनिक वित्तिय उपक्रमों पर मंडरा रहे वित्तिय संकट को लेकर कांग्रेस ने आज देश भर में एलआईसी तथा स्टैट बैंको के आफिस के सामने विरोध प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ में भी प्रदेश के सभी जिलो में ब्लाकों में जहां-जहां पर स्टैट एवं एलाआईसी की शाखायें है वहां पर प्रदर्शन किया गया।

राजधानी रायपुर में आयोजित जयस्तंभ चौक भारतीय स्टैट बैंक शाखा के प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम भी शामिल हुये। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हिंडनबर्ग के खुलासे से साफ हो गया कि मोदी सरकार के संरक्षण पर अडानी की कंपनी में एलआईसी और स्टैट बैंक में जोखिम भरा निवेश किया। यह देश के साथ धोखा है यह महा घोटाला है। इस घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराई जाये। मोदी सरकार अडानी समूह के घोटाले पर श्वेत पत्र जारी करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि विगत 7 दिन में 120 मिलियन डॉलर अर्थात 10 लाख करोड़ से अधिक आम जनता के मेहनत का पैसा डूब गया है, देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि आखिर सरकारी बैंकों से अडानी को अनुपातहीन लोन किस के दबाव में दिया गया? षड्यंत्र उजागर होने के बाद भी एलआईसी का पैसा क्यों दबाव पूर्वक अडानी की कंपनी में लगवाया जा रहा है? एलआईसी और एसबीआई देश की जनता का भरोसा है, जिसे षडयंत्र पूर्वक व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पूंजीपत मित्र पर लुटाया जा रहा है। लाखों करोड़ के मनी लांड्रिंग, ब्लैकमनी, विदेशों में फर्जी सेल कंपनी बनाकर अडानी की कंपनी में लगाने के तथ्य उजागर हुए हैं। बाजार में निगरानी रखने की जिम्मेदारी सेबी की होती है, लेकिन मोदी सरकार के दबाव में सेबी भी मौन है।

दुर्ग में वेंडिंग जोन बनाने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम शहर वेंडिंग जोन तैयार कर रहा है। शहर का पहला वेंडिंग जोन मानस भवन के करीब में बनाया जा रहा है दूसरा पटेल काम्प्लेक्स के सामने में बनाया जाएगा। शहर क्षेत्र के 13 खाली जमीन का चयन किया गया है। वेंडिंग जोन के लिए स्थल को स्वच्छ करके प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है।

निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने वेंडिंग जोन बनाने के लिए सोमवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया। मौके पर उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता एसडी शर्मा, जितेंद्र समैया, जावेद अली, केवलानी, मुक्तेश कान्हा सहित अन्य मौजूद रहें। आयुक्त ने अधिकारियों की प्लानिंग और व्यवस्था का जायजा लिया। सिविल लाइन उतई चौक गौरव पथ पर सड़क किनारे फूटकर व्यापारी बड़ी संख्या में अव्यवस्थित तरीके से ठेले, दुकान आदि लगाते हैं। इससे सड़क किनारे आने-जाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे व्यवस्थित तरीके से दुकान लगाने के लिए वेंडिंग जोन यहां पर तैयार करने की प्लानिंग की जा रही है। उन स्थानीय दुकान मालिकों को मौका दिया जाएगा, जो पहले से ही इस स्थान पर व्यवसाय संचालित करते आ रहे हैं। एक स्थल पर समरूपता देते हुए प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। इससे ठेले और दुकानें व्यवस्थित होंगे। मानस भवन के पास आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों को साफ सफाई,प्रकाश व्यवस्था सहित जगह को बेहतरीन तरीके से सुंदर व्यवस्थित करने को कहा।-मानस भवन के करीब में बनेगा शहर का पहला वेंडिंग जोन जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि दुर्ग नगर निगम की सीमा मानस भवन के पास पहला वेंडिंग जो जल्द तैयार हो जाएगा।

इसके बाद से पटेल काम्प्लेक्स के अलावा वेंडिंग जोन इन जगहों को चिन्हित किया गया -हास्पिटल के सामने,वाटर ट्रीटमेंन्ट प्लान्ट, मानस भवन के पास,नाना-नानी पार्क, रायपुर नाका, हाट बाजार बोरसी, चौपाटी, अग्रसेन चौक , शनिचरी बाजार, बघेरा, महिला समृद्धि बाजार, बाईपास के पास धमधानाका के अलावा कातुलबोड बाईपास के पास के समीप वेंडिंग जोन बनाने की तैयारी की जा रही है।

सात प्रकरणों में आर्थिक सहायता स्वीकृत

धमतरी। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने आरबीसी 6-4 के तहत सात प्रकरणों में मृत्यु हो जाने पर उनके निकटतम वारिसान को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मगरलोड तहसील के ग्राम मोहरेंगा निवासी जमुना बाई की मृत्यु नदी के पानी में डूबने से हो गई थी। उनके पुत्र एवं आवेदक अयोध्या राम यादव को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि कलेक्टर द्वारा मंजूर की गई है। इसी तरह मगरलोड के ग्राम मड़ेली निवासी बाबूलाल कमार, इसी तहसील के ग्राम झुंझराकसा के महरूराम नेताम को आर्थिक सहायता राशि आरबीसी 6-4 के तहत चार-चार लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं।

खास खबर...

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने कलेक्टर को बताई समस्याएं

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की विभिन्न शिकायत, समस्याएं एवं मांग से संबंधित 50 से अधिक आवेदनों को सुना। जनचौपाल में नगर पंचायत खरोरा निवासी भूरे खान ने मकान का पट्टा दिलाने, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश दीवान ने ग्राम सिलतरा में पुलिस थाना भवन का निर्माण कार्य शीघ्रता से कराने और सभी निस्तार वन डिपो में बांस, बल्ली एवं जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराने आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर डॉ भुरे ने संबंधित विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जन चौपाल में प्रधामंत्री आवास योजना, राशि भुगतान, जमीन संबंधी विवाद, अवैध कब्जा, आवास निर्माण, राशन कार्ड बनवाने, मुआवजा राशि दिलवाने, सहित अन्य प्रकरण प्राप्त हुए। जन चौपाल में ग्राम भानसोज की कला कुर्रे ने पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार दिलाने, चांगोराभाठा की रीतु तांडेकर ने अपनी पुत्री के लिए छात्रवृत्ति प्रदान कराने, अयोध्या नगर की नीति राणे ने बीपीएल राशन कार्ड बनवाने, सुनीता पंडा ने गुढ़ियारी रायपुर में स्थित अपने स्वामित्व के मकान के लिए बंधक लोन लिए जाने की अनुमति प्रदान करने, ग्राम पंचायत तामासिवनी के राजीव युवा मितान क्लब के उपाध्यक्ष चितरंजन लाल साहू ने परिवहन सुविधा केंद्र खोलने में सहायता प्रदान करने, फाफाडीह निवासी दिनेश कुमार गंगवानी ने अपनी संपत्ति पर अवैध कब्जे की शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से कराएं पूर्णः मंत्री कवासी लखमा

उद्योग मंत्री ने डीएमएफटी मद और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने बस्तर के कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में डीएमएफटी मद और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की। मंत्री श्री लखमा ने बैठक में कहा कि जनप्रतिनिधिगण, जनता और प्रशासन के बीच संवाद की कड़ी है। विकास कार्यों को सब के सहयोग से गति देना है और जिले में किए जा रहे विकास कार्यों में विशेष कर आंगनबाड़ी केन्द्र, उचित मूल्य की दुकान, जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन, देवगुड़ी और स्कूलों के जीर्णोद्धार कार्य को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करवाएं।

मंत्री श्री लखमा ने बैठक के दौरान डीएमएफटी मद अंतर्गत वर्ष 2016 से 2022-23 तक के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अपूर्ण कार्यों की विस्तृत जानकारी लेकर सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अधिकारियों ने गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी के संबंध में जानकारी दी। मंत्री श्री लखमा ने राज्य शासन द्वारा संचालित सभी फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली और उनके क्रियान्वयन पर जोर देने की बात कही। उन्होंने शहरी क्षेत्र में वन अधिकार मान्यता पत्र के वितरण की भी समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों सीमावर्ती को इसका लाभ देने के निर्देश दिए और वन अधिकार के मान्यता के लिए शिविर लगाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में धान खरीदी, पैसा का हस्तांतरण, धान का उठाव के संबंध में चर्चा कर सीमावर्ती राज्य से आने वाले धान की आवाजाही पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ने निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों, सड़क संधारण कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने पीएमजीएसवाई, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने कांगेर घाटी के सड़क चौडीकरण कार्य को आवश्यक गति देने के निर्देश दिए। मंत्री श्री लखमा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के क्रियान्वयन और उनसे संबंधित सभी विभागों के कार्यों की भी समीक्षा की। मंत्री श्री लखमा ने हाट-बाजार क्लीनिक, बस्तर विकासखण्ड में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को दिए। आदिवासी विकास विभाग से संबंधित भवन निर्माण, के स्वीकृत कार्यों की और जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के लिए जोर दिया।इस अवसर पर बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर, इन्द्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, कलेक्टर चंदन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मीणा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे।

एम्स में नेशनल योगा एनाटॉमी वर्कशॉप में शामिल हुए ज्ञानेश शर्मा

देश विदेश से आए लगभग 80 योग साधक एवं विषय विशेषज्ञों ने सेमिनार में लिया भाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस रायपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार नेशनल योगा एनाटॉमी वर्कशॉप में योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वर्कशॉप का उद्घाटन एम्स रायपुर के डायरेक्टर एवं सीईओ डॉ. नीतिन एम नागरकर ने किया। इस सेमिनार में देश विदेश से आए लगभग अस्सी योग साधक और विशेषज्ञों ने भाग लिया। सेमिनार में शरीर की संरचना और उसके विभिन्न अंगों के बीच पारस्परिक संबंधों पर बारीकियों से विश्लेषण किया गया। ज्ञानेश शर्मा ने सेमिनार में योग के महत्व के साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लोगों में योग और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुष मंत्रालय नई दिल्ली से डॉ. वादिराज, छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव एम. एल. पाण्डेय सहित संस्थान के डॉक्टर उपस्थित थे।

चंगोराभाटा में 27 वां निःशुल्क योगाभ्यास केन्द्र का शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत राजधानी रायपुर के चंगोराभाटा में 27वां निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केन्द्र शुरू किया है। इसका शुभारंभ छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने किया। प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7.30 बजे तक नगर निगम के वार्ड क्रमांक 67 भक्त माता कर्मा वार्ड के पी. एस. सिटी गार्डन,चंगोराभाटा में योग प्रशिक्षक राजेन्द्र वर्मा के मार्गदर्शन में नियमित योग कक्षा का संचालन किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर प्रियंका बिसेन द्वारा जल नेती क्रिया का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में वार्ड पार्षद उत्तम साहू, योग आयोग के सचिव एम एल पाण्डेय सहित गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के छतरी वाले गुरुजी का नई दिल्ली में हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले की शासकीय प्राथमिक शाला सकड़ा के सहायक शिक्षक रूद्रप्रताप सिंह राणा को शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए 4 फरवरी को नई दिल्ली में 'आस एक प्रयास' ट्रस्ट द्वारा लाइव्स रियल हीरोज ऑफ इंडिया अवार्ड 2023 से नवाजा गया। सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद और आचार्य प्रद्युम्न (योग गुरु बाबा रामदेव के गुरु) ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस संस्था द्वारा हर वर्ष देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मानवता एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित एवं विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया जाता है।

नीली छतरी वाले गुरुजी के नाम से विख्यात रूद्रप्रताप सिंह राणा ने कोरोना काल में बच्चों को सुरक्षित रखते हुए पढ़ाई से जोड़े रखा। उनकी कहानी सभी को प्रेरणा देती है कि जीवन को कैसे महान बनाया जा सकता है। कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दौरान बच्चों को सुरक्षित रखते हुए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखने का विचार ही काफी है। तब उन्होंने सोचा कि बच्चे स्कूल नहीं जा सकते तो क्यों न स्कूल को ही बच्चों तक ले जाया जा सके। तब उन्होंने अपनी मोटर साइकिल पर घंटी, ग्रीन बोर्ड, छोटा सा पुस्तकालय और नीली छतरी सजाकर गांव के एक मोहल्ले में बच्चों को बिना एक दूसरे से संपर्क बनाए पढ़ाना शुरू किया। तब से इनका नाम नीली छतरी वाले गुरुजी भी पड़ा। कोरोना काल में बच्चों को सीखने-सिखाने की प्रक्रिया से जोड़े रखने की यह सुरक्षित तरीका प्रधानमंत्री को भी भाया। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में इसका जिक्र भी किया। शिक्षक श्री राणा ने अपने मित्रों के साथ मिलकर पहुंच विहीन और नेटवर्क रहित क्षेत्रों के लिए सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ में मोहल्ला क्लास का कॉन्सेप्ट दिया, जो आगे चलकर देशभर काफी चर्चित और लोकप्रिय हुए। उन्होंने सुदूर वनांचल ग्राम सकड़ा के प्राथमिक शाला का शासन एवं समाज के सहयोग से कायाकल्प कर उसे एक आदर्श स्कूल के रूप से स्थापित किया।

शिक्षक श्री राणा अनुभव आधारित शिक्षण पर जोर देते हैं और सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाने का प्रयास करते हैं, उनके विद्यालय पर कई डॉक्यूमेंट्री भी बनी है। जिसका प्रदर्शन एससीईआरटी और एनसीईआरटी में भी किया गया है। विगत वर्षों में इनके विद्यालय के कई बच्चों का चयन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में हुआ है।

विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के घरों में हो रही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति

हर घर नल से जल मिलने से ग्रामीणों के चेहरे पर छलकी खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार के निर्देशानुसार राज्य के संरक्षित विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के घरों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। कोरिया जिला के विकासखण्ड बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत उमझर का आश्रित गांव दुर्गापुर पंडो जनजाति बाहुल्य ग्राम है। जहां पर 47 पंडों जनजाति परिवार निवासरत् हैं। वनवासी जीवन शैली के परिचायक दुर्गापुर गांव में जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक परिवार को गुणवत्तायुक्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना चुनौतीपूर्ण रहा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्गापुर के प्रत्येक परिवार को जल जीवन मिशन के माध्यम से कार्ययोजना बनाकर गुणवत्तापूर्ण शुद्ध पेजयल उपलब्ध होने से ग्रामवासियों के चेहरों पर खुशियां छलक रही है। विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के लोगों ने शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देकर अपना आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को जागरूक करने महिलाओं को जल वाहिनी के रूप में प्रशिक्षण दिया जाता है। जल जीवन मिशन के तहत जल वाहिनी सुश्री रामकुमारी सारथी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीने के पानी की जांच की जाती है जिससे जल की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त होती है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के माध्यम से दुर्गापुर के खालपारा और ईबलपारा में 35.78 लाख रुपये की लागत से 47 चिन्हित घरों में टेप नल से जल पहुंचाने कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल से जल पहुंचने से की पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हो रही है, अब स्वच्छ पेयजल के लिए ग्रामवासियों को भटकना नहीं पड़ेगा।

कस्टम मिलिंग के लिए 94.70 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात् अब कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स द्वारा तेजी के साथ धान का उठाव किया जा रहा है। अब तक 94 लाख 70 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव की जा चुकी है, जबकि 100 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में निरंतर धान का उठाव जारी है। इस वर्ष 107 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की गई है।

गौरतबल है कि मुख्यमंत्री भूपेश की पहल पर पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव शुरू किया गया था, जिसके चलते राज्य सरकार को परिवहन व्यय में काफी कमी आयी है। इसके साथ ही धान खरीदी के बाद धान उठाव की लंबी प्रक्रिया से भी निजात मिली है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 23 लाख 82 हजार से अधिक किसानों से 31 जनवरी 2023 तक 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। किसानों को धान खरीदी के एवज में भुगतान हेतु बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत मार्कफेड द्वारा अपैक्स बैंक को 22 हजार 67 करोड़ रूपए जारी किया गया है। अब तक कुल धान खरीदी 107.53 लाख मीट्रिक टन में से कस्टम मिलिंग के लिए 100 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 94.70 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

बदलता रहेगा प्रदेश के मौसम का मिजाज, 10 फरवरी के बाद बढ़ेगा तापमान

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज फिर से बदलने वाला है और नम हवाओं के आने की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार को मौसम शुष्क रहेगा और दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी शुरू होगी। हालांकि 10 व 11 फरवरी को फिर से मौसम का मिजाज थोड़ा बदलेगा और हल्की ठंड में बढ़ोतरी होगी। प्रदेश भर में कबीरधाम सबसे ठंडा रहा। एडब्ल्यूएस कबीरधाम का न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

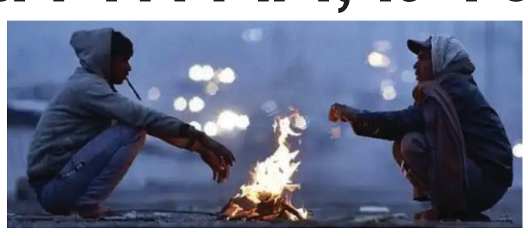

सोमवार सुबह से ही रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। सुबह-सुबह और रात में ठंड बनी हुई है,हालांकि अधिकतम व न्यूनतम तापमान में अब थोड़ी बढ़ोतरी होने लगी है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि मौसम का रुख ऐसा ही रहेगा। तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने से अब ठंड भी थोड़ी कम होगी। 10 व 11 फरवरी को मौसम का मिजाज फिर से थोड़ा बदलेगा और हल्की ठंड बढ़ेगी। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से ठंड भी थोड़ी कम रहेगी।

रायपुर का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा रहा। पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस और अंबिकापुर में 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ब्रेकअप के बाद न करें ये गलतियां बंद हो सकते हैं पैचअप के दरवाजे

प्यार और मनमुटाव होना रिलेशनशिप का प्रमुख हिस्सा हैं जिसमें रूठना-मनाना चलता ही रहता हैं। लेकिन कई बार दोनों के बीच की लड़ाई बढ़ते हुए ब्रेकअप तक पहुंच जाती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं हैं कि आपका पैचअप नहीं हो सकता हैं। कई बार अलग होने के बाद अहसास होता हैं कि आप एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। ऐसे में ब्रेकअप के बाद भी आपको अपने हर कदम पर सावधानी बरतने की जरूरत हैं। आज इस कड़ी में हम आपको उन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोग अक्सर ब्रेकअप के बाद कर बैठते हैं और इनकी वजह से पैचअप के दरवाजे भी बंद हो जाते हैं। आइये जानते हैं इन गलतियों के बारे में...

बार-बार कॉल करना

ब्रेकअप होने के बाद भी ज्यादातर लोग अपने एक्स से बार-बार कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। हो सकता है कि आपकी ये कोशिश काम कर जाए, लेकिन ये एक तरह की गलती भी साबित हो सकती है। बार-बार कॉल या मैसेज करने से सामने वाला इंसान आपसे चिढ़ सकता है। हो सकता है कि ये तरीका आप दोनों में बहस को और बढ़ा दे। ब्रेकअप के बाद एक-दूसरे को पर्सनल स्पेस देना बहुत जरूरी होता है।

सोशल मीडिया से ब्रेकअप की बात शेयर न करें

आजकल के सोशल मीडिया के जमाने में लोगों को हर चीज सोशल प्लेटफॉर्म पर अपडेट करने का शौक होता है। अब चाहे वह बीमार होने का अपडेट हो या फिर कोई नई चीज खरीदने का। ऐसे में अगर किसी का ब्रेकअप हुआ है और वो सोशल मीडिया पर इस बात को जगजाहिर करेगा तो काफी गलत असर होगा। हमेशा याद रखें, कभी भी ब्रेकअप के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट न करें। अपनी पर्सनल लाइफ को अपने तक ही रखें।

तुरंत रिलेशनशिप में आना

कई बार लोग ब्रेकअप के तुरंत बाद किसी अन्य के साथ रिलेशनशिप में आ जाते हैं। ये एक तरह की गलती होती है, जो आपके पुराने साथी के साथ पैचअप न होने की सिचुएशन पैदा कर देती है। आपका ये कदम आपके एक्स को दुख पहुंचा सकता है और इस कारण पैचअप की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सकती है। ब्रेकअप के बाद खुद को थोड़ा समय दे, हो सकता है कि आप फिर से अपने एक्स से कनेक्ट हो जाएं।

ब्रेकअप का कारण जानें

कई बार ब्रेकअप किसी गलतफहमी या ईगो के कारण हो जाता है। अगर रिश्ते में किसी गलतफहमी ने जगह ली है, तो उसे दूर करने की कोशिश करें। अगर हो सके तो इस बारें में पार्टनर की किसी विश्वास पात्र से बात भी करा सकते हैं। वहीं अगर आपकी ईगो के कारण ब्रेकअप हुआ है, तो ईगो को शांत करके ही बात करें। रिश्तों में ईगो को कतई जगह न दें। रिश्ते को लेकर अगर आपको कोई बात परेशान करती है, तो शांत मन से पार्टनर से बात करें।

अपशब्द न बोलें

कई बार लड़के-लड़की गुस्से में आकर ऐसी बातें बोल जाते हैं, जिससे सामने वाले को काफी ठेस पहुंच सकती है। कभी भी ब्रेकअप के समय कुछ अपशब्द न बोलें। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद न के बराबर हो जाती है।

बहस से बचें

कई बार लोग रिश्ते को बचाने के लिए पार्टनर से बहस करने लग जाते हैं। आपकी ये आदत रिश्ते को सुधारने से तो रही लेकिन खराब जरूर कर सकती है। ऐसे में पार्टनर को थोड़ा समय दें। उनके गुस्से को शांत होने दें। ऐसे में खुद न बात करके किसी कॉमन फ्रैंड के जरिए बात करने की कोशिश करें। वहीं ध्यान रखें जब भी आप पार्टनर से बात करें, उन्हें वैसे ही स्वीकार करें। जैसे वो हैं। उन्हें बदलने की कोशिश बिल्कुल न करें।

पैचअप के लिए फोर्स न करें

ब्रेकअप के कुछ समय बाद लोग अक्सर पैचअप के लिए अपने एक्स को बात करने के लिए फोर्स करने लगते हैं। ऐसे में सामने वाले को ये लग सकता है कि आप उस पर दबाव बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद खत्म हो सकती है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

गलत कामों से बचें

ब्रेकअप के बाद अक्सर लोग गलत चीजों की ओर अधिक अट्रैक्ट होते हैं। अगर आपका ब्रेकअप हुआ है तो अपने आपको समय दें। नशे की लत और सैड सॉन्ग से दूर रहें नहीं तो ये ब्रेकअप के दर्द को और अधिक बढ़ा सकते हैं।

बहती नाक से पीड़ित हैं तो अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

इस बदलते मौसम में तापमान और नमी में बदलाव के कारण लोग सर्दी, खांसी और बहती नाक जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ये समस्याएं भले ही आम हों, लेकिन इनके कारण आपको सिर में दर्द, अच्छा महसूस न होना और सांस लेने में मुश्किल जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिनसे बहती नाक को जल्दी ठीक किया जा सकता है।

गरम तरल पदार्थ पीएं

बहती नाक से पीड़ित होने पर गरम तरल पदार्थ पीने से आपकी नाक और गले को आराम मिलता है। यह आपके शरीर को हाइड्रेट भी करता है और वायरल संक्रमण को दूर रखने में भी मदद करता है। बहती नाक के लक्षणों से राहत पाने के लिए आप अदरक की चाय, फल और प्याज की चाय, लहसुन की चाय या दालचीनी की चाय भी पी सकते हैं। आप एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी का दूध भी पी सकते हैं।

हर्बल भाप लेने से मिलेगा आराम

भाप लेने से बलगम ढीला हो जाता है, जिसके बाद आप इसे आसानी से बाहर निकाल सकते हैं। इससे आपको बहती नाक के लक्षणों को दूर करने में मदद मिलेगी। आप मयानी नामक जड़ी-बूटी का उपयोग करके हर्बल भाप ले सकते हैं, जो अपने कई गुणों के लिए जानी जाती है। इसके लिए मयानी के पत्तों को पानी के साथ उबालकर उसकी भाप लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा। आप नीलगिरी के तेल का भी उपयोग कर सकते हैं।

सिकाई करने से मिलेगी राहत

सिकाई करने से आपके साइनस क्षेत्र में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है, जिससे आपको बहती नाक से राहत मिल सकती है। इसके लिए एक सूती कपड़े को गरम पानी में भिगोकर 15 से 20 मिनट के लिए उसे अपने माथे और नाक पर रखें। आप जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें मौजूद नमी से राहत पाने के लिए आप रोजाना कई बार सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको कोई भी नुकसान नहीं होगा।

नेति पॉट का भी कर सकते हैं इस्तेमाल

बहती नाक जैसी साइनस की समस्या और बेचैनी के इलाज के लिए नेति पॉट एक प्रभावी उपाय है। यह एक ऐसा उपकरण है, जो नाक और साइनस को बाहर निकालने के लिए उपयोग किया जाता है। दिखने में यह छोटी चायदानी जैसा लगता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पॉट में नमक और गुनगुने पानी का घोल डालें और फिर इस घोल को एक नाक में डालकर दूसरी नाक से निकाल दें।

पर्याप्त नींद लेने का रूटीन बनाएं

बहती नाक की परेशानी रात में ज्यादा खराब हो सकती है क्योंकि जब आप लेटते हैं तो गुरुत्वाकर्षण के कारण बलगम निकलने के बजाय सिर में जमा हो जाता है। इससे बचाव के लिए आप अपने सिर के नीचे एक अतिरिक्त तकिया रख सकते हैं और अपने बिस्तर के किनारे एक कूल-मिस्ट वेपोराइजर रख सकते हैं। इससे बलगम पतला होगा और आपको सांस लेने में आसानी होगी। आप चाहें तो नेजल ब्रीदिंग स्ट्रिप भी पहन सकते हैं।

थाई हाई स्लिट में नूपुर सेनन दिखती हैं परम सुंदरी

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी स्टनिंग तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। फैंस उनकी ग्लैमरस तस्वीरों के लिए बेताब रहते हैं। नूपुर सेनन थाई हाई स्लिट आउटफिट में बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। उनकी बोल्ड तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। किलर तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस नुपूर सेनन अपने चार्मिंग पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को मदहोश कर रही हैं। एक्ट्रेस नूपुर सेनन भी खूबसूरती के मामले में अपनी बहन कृति सेनन से कम नहीं हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों को बेकरार करती हैं। नूपुर सेनन अपनी बोल्डनेस से फैंस पर कहर बरपाने का हुनर बखूबी जानती हैं। उनका ग्लैमरस लुक और खूबसूरत अंदाज फैंस को अक्सर अचम्भित कर देता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नूपुर सेनन अपने कर्वी फिगर और खूबसूरती के दम पर सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। फैंस उनकी एक झलक का बेसब्री से इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस नूपुर सेनन अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस नूपुर सेनन जल्द ही फिल्म गणपत में भी नजर आने वाली हैं। फैंस नूपुर सेनन की तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही फैंस उनकी तस्वीरों पर प्यारे-प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस नूपुर सेनन के इंस्टाग्राम पर 8 मिलियन से अधिक फॉलोवर्स हैं।

कातिलाना लुक पाने के लिए लड़कियां क्यों करवा रही हैं राइनोप्लास्टी

ईरान में रहने वाले लोगों को रूढ़िवादी समझा जाता है. हालांकि पिछले कुछ समय में अपने लुक को लेकर यहां के लोगों की सोच में काफी बदलाव आया है. ईरान में न सिर्फ महिलाएं बल्कि पुरुष भी अपने सौंदर्य को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं करते. रिपोर्ट के अनुसार यही कारण है कि राइनोप्लास्टी नाम की सर्जरी के सबसे ज्यादा मामले यहीं देखे जा रहे हैं. पिछले कुछ समय से ज्यादातर ईरानियन लोग राइनोप्लास्टी सर्जरी करवा रहे हैं. इनमें महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में बहुत ज्यादा है. ईरान अब उन मुल्कों की लिस्ट में शामिल हो गया है जहां राइनोप्लास्टी कराने के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि क्या होती है कातिलाना लुक पाने के लिए लड़कियां क्यों करवा रही हैं राइनोप्लास्टी, क्या है ये? राइनोप्लास्टी सर्जरी. आपको बता दें कि इस सर्जरी के माध्यम से आप अपने लुक को कातिलाना बना सकते हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में.

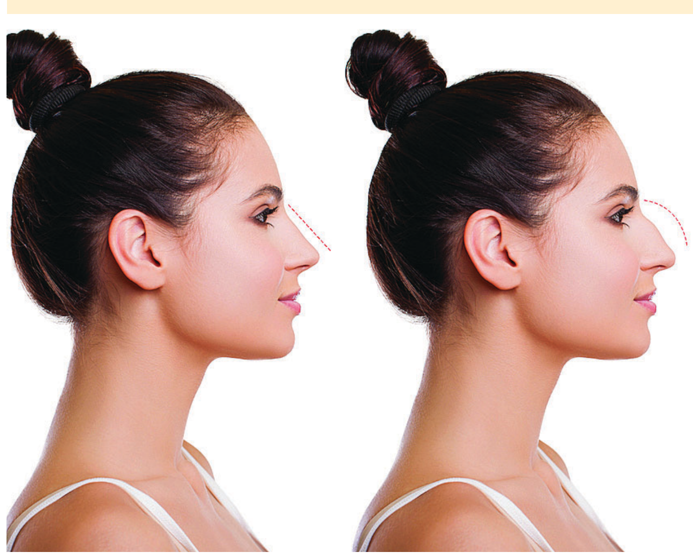

क्या होती है राइनोप्लास्टी ?

राइनोप्लास्टी सर्जरी का एक ऐसा पार्ट है जिसमें नाक को थोड़ा छोटा कर उसे पैना या नुकीला बनाया जाता है. इस सर्जरी के बाद इंसान का चेहरा ज्यादा आकर्षक लगने लगता है. राइनोप्लास्टी नाक की सुंदरता बढ़ाने व उसके आकार में परिवर्तन लाने के लिए एक अत्यंत सुरक्षित और अत्याधुनिक वैज्ञानिक तरीका है. यह कॉस्मेटिक सर्जरी है, जिसकी मदद से नाक के आकार को छोटा या बड़ा किया जा सकता है और फैले हुए नोजट्रिल्स, नुकीली टिप, नासल ब्रिज पर हम्प का शेप सही किया जा सकता है. हालांकि राइनोप्लास्टी सर्जरी करवाने से पहले कुछ बातों को जान लेना बहुत जरूरी है.

किसी दूसरे व्यक्ति के जैसी नाक नहीं हो सकती

परफेक्ट नोज जैसी कोई चीज नहीं होती है. अगर आप किसी दूसरे व्यक्ति या मॉडल जैसी नाक का सपना देखते हैं तो यह संभव नहीं कि आपकी नाक कभी वैसी शेपले सके. नाक में नोज रीशेपिंग से कुछ बदलाव जैसे बेढंगे तौर से फैली हुई, बड़ी या ज्यादा छोटी, दबी हुई और सपाट नाक, नाक का झुका हुआ सिरा या फूला हुआ गोल सिरा (बल्बस टिप) को ठीक किया जा सकता है. ऐसा करने से आपकी नाक पहले से अच्छी लगने लगेगी लेकिन किसी दूसरे व्यक्ति की नाक की कॉपी मुमकिन नहीं है.

नोज रीशेपिंग के बारे में नहीं जानेंगे लोग

राइनोप्लास्टी का लक्ष्य नाक को चेहरे के बाकी फीचर्स के साथ संतुलित करना व अनुपात में लाना है. आमतौर पर पूरी तरह से हीलिंग के बाद लोग चेहरे के बदलाव को बेहतर बताते हैं, लेकिन अधिकांश लोग नाक में बदलाव को नोटिस नहीं कर पाते हैं. राइनोप्लास्टी के बाद लोग आपके चेहरे के बाकी फीचर्स (जैसे आखें और होंठ) की सुंदरता को नोटिस करने लगते हैं, जिन पर पहले उनका ध्यान नहीं जाता था. राइनोप्लास्टी सर्जरी के बाद आप उसी दिन घर जा सकते हैं और रोजमर्रा का काम सामान्य रूप से कर सकते हैं. नाक पर कुछ दिनों तक एक बैंडेज रहता है, जिसे 8-10 दिनों के बाद निकाल दिया जाता है.

फाइनल रिजल्ट में 1 साल तक का समय

नोज रीशेपिंग के बाद नाक ओर उसके आसपास के हिस्सों में सूजन रहती है, जो धीरे-धीरे कम हो जाती है. सूजन कुछ सप्ताह में सामान्य हो जाती है पर अंदरूनी हिस्से (खासकर नोज टिप) की स्वेलिंग पूरी तरह से ठीक होने में आठ से बारह महीने तक का समय लग सकता है और सर्जरी के फाइनल रिजल्ट तभी दिखते हैं.

फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी! मेकर्स ने फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वनः 2' के रिलीज डेट का किया ऐलान

साल 2022 की सबसे बड़ी तमिल फिल्म पोन्नियिन सेल्वन के फैंस के लिए बड़ी खबर है। मेकर्स ने फिल्म के सीक्वल यानी पोन्नियिन सेल्वनः 2 के रिलीज डेट के साथ ही इसे आइमैक्स के पर्दे पर दिखाने का ऐलान कर दिया है। लाइका प्रोडक्शंस ने घोषणा की है कि साउथ इंडियन फिल्म पोन्नियिन सेल्वनः 2 दुनियाभर में 28 अप्रैल 2023 को रिलीज होगी। इसी के साथ आइमैक्स स्क्रीन पर फिल्म को रिलीज किए जाने की भी घोषणा की गई है। साल 2022 की सबसे बड़ी तमिल फिल्म पोन्नियिन सेल्वनः 1 ने बॉक्स ऑफिस पर 496 करोड़ रुपये की वर्ल्डवाइड कमाई की थी। फिल्म में चियान विक्रम के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन, जयम रवि, कार्ति, तृष्णा और प्रकाश राज प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 24.01.2023

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 14.02.2023 तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
282/122310	उपसंभाग क्रं 1 दुर्ग के अंतर्गत बोरसी-धनोरा-उतई मार्ग कि.मी. 1/2 से 3/6=2.60 कि.मी एवं कि.मी. 3/8 से 6/2=2.60 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	140.27
283/122311	उपसंभाग क्रं 1 दुर्ग के अंतर्गत बोरसी-धनोरा-उतई मार्ग कि.मी. 6/4 से 8/8 कि.मी एवं कि.मी. 8/10 से 11/4 कुल लंबाई = 5.20 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	140.27
284/122312	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत केन्द्रीय जेल दुर्ग परिसर पहुँच मार्ग लंबाई = 0.60 कि.मी., केन्द्रीय जेल दुर्ग से पुलिस लाईन पहुँच मार्ग लंबाई = 3.20 कि.मी., गुधेली-मुरमुंदा-खेदामारा- ननकट्ठी-दनिया मार्ग लं 29.50 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	59.40
285/122313	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत दुर्ग-धमधा-बेमेतरा के.कि.मी. 15,16 = 2.00 कि.मी. एवं विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	170.27
286/122315	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत दुर्ग-धमधा-बेमेतरा के.कि.मी. 30,31 = 2.00 कि.मी. एवं विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	167.63
287/122316	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत देवकर-घोटा-जालबांधा के.कि.मी. 9/2 से 10/10 एवं विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	188.09
288/122318	उपसंभाग क्रं 2 दुर्ग के अंतर्गत धमधा-गंडई मार्ग के. कि.मी. 2/2 से 2/4 = 400 मी. एवं विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	167.48
289/122320	बेमेतरा-बालसमुन्द-चंदनू मार्ग कि.मी. 29/8 से 31/6 = 2.00 कि.मी एवं 33/8 से 35/6 = 2.00 कि.मी. बेलखुरी-झिलगा-पुटपुरा-गिधवा मार्ग कि.मी. 6/10(100), 7, 8 ,9 = 3.10 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	179.82
290/122415	ओड़िया-जाता-दाढ़ी-चुचुरूंगपुर मार्ग कि.मी. 1/6(100) 2, 3, 4/10, 4/2 से 4/10(100) = 3.40 कि.मी एवं चिल्फी-बेरा-मरतरा-खण्डसरा मार्ग 1, 2, 3/2-4 = 2.40 कि.मी., नांदघाट-मल्दा-मऊ-बिटकुली मार्ग 3.00 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	158.17
291/122416	मनियारी-बोतका मार्ग कि.मी. 1/2 से 2/10 = 2.10 कि.मी, साजा कॉलेज पहुँच मार्ग कि.मी. 1/2 से 2/10 = 2.10 कि.मी,, केसरा से घोटवानी मार्ग कि.मी. 1/2 से 2/10 = 2.10 कि.मी, करही- कजरा मार्ग कि.मी. 1/2 से 1/10 = 1.10 कि.मी, पिपरिया पहुँच मार्ग कि.मी. 1/2 से 2/10 = 2.10 कि.मी, में डामर नवीनीकरण कार्य।	81.56
292/122418	उपसंभाग क्रं 3 दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	121.54
293/122421	उपसंभाग क्रं 3 दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	88.68
294/122422	गर्रा-खण्डसरा मार्ग कि.मी. 1/2 से ,4/8 = 3.80 कि.मी, गर्रा-खण्डसरा मार्ग कि.मी. 4/10 से 7/4 = 2.60 कि.मी पेन्ड्रीतराई-छितापार मार्ग कि.मी. 1/2 से 3/10 = 3.00 कि.मी में डामर नवीनीकरण कार्य।	150.56
295/122423	कुसुमी-खुडमुड़ी-सिलतरा मार्ग कि.मी. 1, 2 = 2.00 कि.मी, एवं कि.मी. 3, 4 = 2.00 कि.मी सांकरा-देवादा मार्ग कि.मी. 1 से 3/8(100) = 2.70 कि.मी में डामर नवीनीकरण कार्य।	158.41
296/122425	उरला-पठारडीह-कंडरका-बेरला-कोदवा मार्ग कि.मी. 11,12 = 2.00 कि.मी.,18,19 = 2.00 कि.मी. ढाबा-भिंभौरी मार्ग कि.मी. 1 से 3/2(100) = 2.70 कि.मी.में डामर नवीनीकरण कार्य।	158.41
297/122430	पहंदा-बारगांव-खुडमुड़ी मार्ग कि.मी. 10,11 = 2.00 कि.मी.,12,13 = 2.00 कि.मी.,का डामर नवीनीकरण कार्य।	115.50

टीप
1. एन.आई.टी.क्रं. 282,283,284,285,286,287,288,292 एवं 293 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है एवं एन.आई.टी. क्रं. 289,290,291,294,295,296 एवं 297 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा. से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portas एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-98262/7

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

बुढ़वा पुन्नी में दूसरे दिन दिखा मेले के अलग-अलग रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघी पुन्नी मेला के दूसरे दिन बुढ़वा पुन्नी मेला को अलग-अलग रंग देखने को मिला। सोमवार को सुबह 10 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। समाचार लिखे जाने तक मीना बाजार से लेकर संगम क्षेत्र में लोग घुम-घुम कर मेले में आये हुए समाग्रियों को निहार रहे थे। संगम में स्नान कर सीधे मंदिरों में जाकर दर्शन पुजन किएँ। सिमगाँव बलोदाबाजार से पहुंचे लक्ष्मी जोशी, देवानंद जोशी, भूरीबाई ने बताया कि वह मोटरसायकल से पुन्नी मेला पहुंचे है। कुलेश्वरनाथ शिवलिंग का दर्शन कर मन प्रसन्न हो गया। इसके बाद भगवान राजीवलोचन का दर्शन करेंगे।

रायगढ़ के डमरू सिंह, कृष्ण कुमार, उद्धव, दीपक, मुकेश ने बताया कि पहली बार भगवान आशुतोष की कृपा से त्रिवेणी संगम मे स्नान किये हैं। इससे शरीर तरोताजा हो गया है। कहीं भी रश्रीभर थकान नहीं है। उड़िसा के महिलाएँ बता रही थी कि इतना बड़ा मेला पहली बार देखें है। इतनी सुन्दर व्यवस्था और देव दर्शन होना हमारे तो भाग्य खुल गये है।

बाम्बे मिठाई का जलवा

पुन्नी मेला में अलग-अलग प्रकार के मिठाई दुकाने अवश्य लगे हुए है मगर बाम्बे मिठाई का अपना अलग जलवा है। उश्ररप्रदेश के विकास डंडे मे मिठाई को बाँधे हुए है और प्रत्येक नग 10 रूपये में बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि इसे शक्कर से बनाया जाता है। बच्चों का खासतौर पर पसंदीदा मिठाई है।

कंगन का क्रेज बढ़ा

जगह-जगह ठेले या फिर अन्य मनिहारी दुकानों में कंगन को शानदार सजाकर रखे गये है। मेले देखने पहुंचे महिलाएँ एवं लड़कियाँ कंगन खरीदना नही भूल रही है। चारो तरफ इनका क्रेज बढ़ा हुआ है।

मेलार्थियों की पहली पसंद ओखरा

मेला घुमने आये लोगों कि पहली पसंद ओखरा मिठाई बनी हुई है। पुरे मेला घुमने के बाद घर जाने के समय ओखरा जरूर खरीदते है। यह चाँवल से बनाया जाता है। इसमें भी गुड का उपयोग किया जाता है। अधिकतर उड़िसा के लोग बड़ी मात्रा में बनाते है।

बच्चें ले रहे झूला का मजा

अपने परिवार के साथ पहुंचे छोटे-छोटे बच्चों की नज़र में जैसे ही झूला दिखते हैं चढ़ने की जिद कर बैठते है और खुब मजा लुट रहे है। इधर मीना बाजार में भी आकाश झूला, डीस्को झूला, रेंजर झूला, झूले रहें है।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया मेला क्षेत्र का निरीक्षण

राजिम। सोमवार शाम गरियाबंद जिला कलेक्टर प्रभात मलिक एवं पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले अपने कनिष्ट अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं एसपी ने मेला स्थल का पैदल चलते हुए नदी मार्ग से एक-एक जगहों को देखते रहे तथा शानदार व्यवस्था के लिए निर्देश देते रहे कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का कोई दिक्कत न हो इस बात का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर मेले का काम शुरू होने से लेकर लगातार निरीक्षण के लिए पहुंच जाते थे और लोमश ऋषि आश्रम से लेकर नदी क्षेत्र, कुलेश्वर मंदिर, राजीवलोचन मंदिर तथा मेला ग्राउंड पर लगातार फोकस करते रहे। मेले के सुंदर स्वरूप की लगातार चर्चा हो रही है जिसमें जिला कलेक्टर की मेहनत स्पष्ट रूप से दिख रही है। सोमवार को उन्होंने मंदिर के अलावा रेत की सड़क पर चलते हुए पूरे मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अविनाश भोई सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राजिम मेले में पहुंचने वालों को मिल रहा स्वादिष्ट भोजन, साहू समाज और राइस मिल एसोसिएशन चला रहा निःशुल्क भोजन भंडारा

राजिम। राजिम मेले में इस बार पहुंचने वाले लोगों को नि:शुल्क स्वीदिष्ट भोजन मिल रहा है। मेला क्षेत्र में एक तरफराजिम महोत्सव स्थल से लगे हुए नवापारा मार्ग पर नदी के बीच दाहिने तरफराजिम भक्तिन मंदिर समिति एवं नगर साहू संघ द्वारा बहुत ही स्वच्छ मन से दाल-भात-चांवल न केवल नि:शुल्क खिलाया जा रहा है बल्कि बाकायदा आने-जाने वाले सभी लोगो को माइक लगाकर खाना खाने के लिए आमंत्रित किया जा

रहा है। राजिम भक्तिन मंदिर समिति के अध्यक्ष लाला साहू पंडाल के सामने खड़े होकर हाथ जोड़कर हर किसी को खाने के लिए पंडाल के भीतर बहुत ही प्रेम के साथ ले जा रहा है। यह पंडाल मंत्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा लगाया गया है। पंडाल के भीतर नीचे में बैठने की मेटिंग व्यवस्था की गई है। यहां हर किसी को भोजन कराया जा रहा है। भोजन कराने के लिए साहू समाज के लोग इस पंडाल में मौजूद होते है। माघ पूर्णिमा 5 फरवरी से चलाया जा रहा यह नि:शुल्क भोजन-भंडारा निरंतर 14 दिनों तक महाशिवरात्रि तक चलेगा। मेला घूमने आने वालो व यहां दुकानदारी कर रहे लोगो के लिए यह किसी स्वर्ग से कम नही है। हर कोई पंडाल में पहुंचकर खाना खा रहे है। दूसरा दिवस सोमवार को भोजन बनते ही दाल चांवल सब्जी लेकर समाज के लोग भगवान श्री राजीव लोचन और राजिम भक्तिन माता को भोग लगाते हुए महाआरती किए उसके बाद भोजन प्रसादी शुरू कर दिया गया। आरती और भोजन प्रसादी में प्रदेश साहू संघ के उपाध्यक्ष मालक राम साहू, पत्रकार श्यामकिशोर शर्मा, प्रकाश वर्मा, चिकित्सा प्रकोष्ट के संयोजक डॉ ओंकार साहू, लोकनाथ साहू, रामजी साहू, किशन साहू, कुंजबिहारी साहू, गोकुल साहू सहित राजिम भक्तिन मंदिर समिति के अध्यक्ष लाला साहू, साहू संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू, कुलदीप साहू, दयाराम साहू, मंदिर समिति के संरक्षक डॉ. रामकुमार साहू, पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेंद्र साहू, रतिराम साहू, योगेश साहू, श्याम साहू, भोले साहू, सूरज साहू, रामलाल साहू सहित मन्दिर समिति के पदाधिकारी एवं सामाजिकजन शामिल थे। जिन्होने मेला में पधारे श्रद्धालुओं को भोजन परोसकर अपना सेवा प्रदान किये। इधर दूसरे छोर पर नवापारा से कुलेश्वर मंदिर जाने के मार्ग पर बीच नदी में नवापारा राइस मिल एसोसिएशन के द्वारा अपना स्वयं का बड़ा पंडाल लगाकर मेले में पहुंचने वाले हर किसी को आमंत्रित कर भोजन करा रहे है। माघ पूर्णिमा को शुरू किए गए यह भोजन भंडारा महाशिवरात्रि तक नि:शुल्क चलेगा। सेवा कार्य में स्वयं एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरधारी अग्रवाल, प्रहलाद राय अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, मनमोहन अग्रवाल, पालिका के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, निर्मल जैन, मुकेश अग्रवाल, संदीप धामेजानी, यश अग्रवाल, डॉ रमेश कोठारी, प्रणय अग्रवाल, नवल अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, पराग सुंदरानी, ललित पांडे सहित एसोसिशन के सभी पदाधिकारी, सदस्य तन-मन-धन से लगे हुए है। अध्यक्ष गिरधारी अग्रवाल ने बताया कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक कोई भी व्यक्ति यहां पहुंचकर भोजन कर सकता है। भोजन में गरम-गरम चांवल, दाल, मिक्स सब्जी दी जा रही है। लोग बड़े प्रेम के साथ बैठकर अपने परिवार के साथ यहां खाना खा रहे है। श्री अग्रवाल ने बताया कि नि:शुल्क भोजन भंडारा का यह आयोजन पिछले कोरोना काल को छोड़कर 17-18 सालो से चलाया जा रहा है। बताया कि महाशिवरात्रि पर्व में आधी रात के

बाद से पूरा दिन हजारो श्रद्धालुओं को भोजन कराया जाता है।

उद्योगपति उतरे मैदान में, महानंद मास्टर रायपुर का सीरिज पर कब्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ वायर इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन (सीडब्ल्यूआईए) की ओर से आज राजधानी रायपुर में कोर टीएमटी, वायर चैम्पियनशिप लीग-2023 क्रिकेट का एकदिवसीय आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। सुबह 8 बजे से स्पोर्ट्स अड्डा डुमरतराई में हुई चैम्पियनशिप में 8 टीम के बीच 15 मैच हुए। हर मैच में उद्योगपतियों ने खूब चौके-छक्के जड़े और कैच लपकने का मौका भी नहीं छोड़ा। दिन भर चले शानदार मुकाबलों में दुर्ग-भिलाई, रायपुर, बिलासपुर व रायगढ़ सहित समूचे प्रदेश के कुल 350 से भी ज्यादा वायर उद्योग से जुड़े संचालकों-उद्योगपतियों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दी।

इन मैचों में विजेता महानंद मास्टर रायपुर, रनर अप श्याम स्ट्राइकर रायपुर, मैन ऑफ द सीरिज देव जेवलानी, बेस्ट बैट्समैन नवल अग्रवाल, बेस्ट बॉलर भरत पटेल, बेस्ट फील्डर राहुल पटेल रहे। इस दौरान एक आकर्षण टॉस का रहा। यहां टॉस सोने के सिक्के से किया गया और अंत में लक्की ड्रॉ के माध्यम से यह सिक्का विजेता अक्षय बंसल को प्रदान किया गया। दर्शकों के मनोरंजन के लिए विशेषज्ञों की निगरानी एवं सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए मोटर साइकिल पर स्टंट्स की शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

क्रिकेट के बाद सीडब्ल्यूआईए की ओर से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले 200 सदस्यों को सम्मानित किया गया। इनमें महेश बंसल, किशोर पटेल, नवीन लिम्बानी, नारायण अग्रवाल और विजय अग्रवाल सहित अन्य शामिल रहे। आयोजन को सफल बनाने में प्रेसीडेंट नंद किशोर अग्रवाल, महासचिव नंद अग्रवाल, प्रोग्राम डायरेक्टर विनित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, जयेश पटेल, मनीष सिंघल और राहुल पटेल का विशेष योगदान रहा। प्रोग्राम डायरेक्टर और मीडिया प्रभारी विनीत अग्रवाल एवं अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि इस एकदिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापार के तनाव से मुक्त होकर एक फ्रेंडली मैच के बहाने आपसी भाईचारे एवं व्यवहार को मजबूत करना था और प्रदेश भर के उद्योग संचालकों ने पूरे मैच का खूब लुत्फउठाया। विजेता टीम को 51000 एवं उपविजेता टीम को 31000 की राशि प्रदान की गई। इसके अलावा विभिन्न श्रेणी मे पुरस्कार मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर सहित कई पुरस्कार का वितरण किया गया।

!! न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग !!
उद्घोषणा

रा0प्र0क0/202302101400007/अ-6 / वर्ष 2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एस. मोहम्मद शाहबाज इकबाल आ. स्व. मोहम्मद मोकिम निवासी क्वा. नं.7/एन, सड़क नं.37, सेक्टर-6, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा ग्राम चिरपोटी, प.ह.नं.46, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं.191 रकबा 0.33 हे. भूमि जो कि भूमिस्वामी सलिमुन निशा पति स्व. मोहम्मद मोकिम, एस. मोहम्मद शाहिद इकबाल, एस. मोहम्मद शाहबाज इकबाल पिता स्व. मोहमद मोकिम पता सेक्टर-6 भिलाई के नाम पर वर्तमन राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक की माता सलिमुन निशा पति स्व. मोहम्मद मोकिम की मृत्यु दिनांक 02.05.2020 को हो जाने पर फौती दर्ज कर उनके वारिसान पुत्री-रोषन आरा का नाम दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदारों का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेषी दिनांक 20/2/23 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेष कर सकते हैं। समयावधि पष्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 2/2/23 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक - 2/2/23
सुनवाई दिनांक - 20/2/23

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सड़क पर मस्ती पड़ गई भारी दुर्ग पुलिस ने स्कूटी सवार का काटा चालान

भिलाई। सड़क पर मस्ती फिर एक बाइक सवार को भारी पड़ गया। सड़क पर लहराते हुए बाइक चला रहे युवक का दुर्ग पुलिस ने आम लोगों की शिकायत पर कार्रवाई की है। बाइक सवार को यातायात कंट्रोल रूम में बुलाकर उसका चालान काटा गया। दुर्ग पुलिस लगातार सड़कों पर स्टंट करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने आम लोगों से इस प्रकार स्कूटर व बाइक चलाने वालों की फोटो उन्हें भेजने की अपील कर चुके हैं। इस प्रकार मिल रही शिकायतों पर दुर्ग पुलिस कार्रवाई कर रही है।

इसी कड़ी में दुर्ग पुलिस ने एक स्कूटी सवार पर कार्रवाई की है। स्कूटी क्रमांक सीजी 07 एलजेड 4907 का चालक सड़क पर मस्ती में स्कूटी चला रहा था। सड़क पर वह अपनी स्कूटर को ऐसे लहरा रहा था जिससे दूसरे बाइक सवार हादसे का शिकार हो सकते थे। इस स्कूटी सवार की वीडियो बनाकर दुर्ग पुलिस को भेजा गया। इसके बाद पुलिस ने स्कूटर सवार का पता लगाया और उसके खिलाफ कार्रवाई की। युवक का 3000 रुपए का चालान काटा गया।

पति-पत्नी के विवाद में दो साल के मासूम की हत्या, हैवान पिता ने जमीन पर पटककर मार डाला

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक शख्स ने पत्नी से विवाद के बाद अपनी दो साल की बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी। शख्स ने अपनी मासूम बच्ची को जमीन पर पटक-पटककर मार डाला। यही नहीं हैवान बने शख्स ने अपनी पत्नी पर भी कुल्हाड़ी से वार कर दिया। पत्नी को गंभीर हालत में रायपुर के मेकाहरा में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कांकेर के कच्चे चौकी क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार साल्हे गांव निवासी नंदकुमार बढई मजदूरी करता है। वह गांव में अपनी पत्नी संगीता व दो साल की बच्ची तृषा के साथ रहता है। रविवार रात को खाना खाने के बाद दोनों आपस मे बातचीत कर रहे थे। बातचीत के दौरान अचानक दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस दौरान उसकी बच्ची सोई हुई थी। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि नंदकुमार ने अपनी बच्ची को उठाकर जमीन पर पटक दिया। जिससे बच्ची की मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर पास पड़ोस के लोग घर पर पहुंचे। घर का नजारा देख वे हैरान रह गए।

ग्रेटर नोएडा में भिलाई के युवक चला रहे थे लॉयन बुक-15 के पांच पैनल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने एक और बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। इस बाद महादेव बुक की बजाए लॉयन बुक-15 नाम के ऑनलाइन सट्टे का खुलासा हुआ है। ग्रेटर नोएड़ा यूपी के एक अपार्टमेंट में किराए का फ्लैट लेकर भिलाई के युवा लॉयन बुक-15 नाम के ब्रांच में 05 पैनल का संचालन का संचालन कर रहे थे। दुर्ग पुलिस ने पुरानी सटोरियों से मिले इनपुट के आधार पर ग्रेटर नोएड़ा के उक्त फ्लैट में दबिश दी और इन सटोरियों को गिरफ्तार किया। सटोरियों के पास से पुलिस ने 3 लेपटॉप, 15 मोबाइल जब्त किया है। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने सोमवार को इस मामले का खुलासा किया।

दुर्ग एसपी ने बताया कैसे पकड़ाए सटोरिए

बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा महादेव बुक सहित अन्य ऑनलाइन सट्टा चलाने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस को पहले से पकड़े गए सटोरियो से इनपुट मिला था। एंटी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट व थाने की टीम को ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश के एक फ्लैट में, दुर्ग-भिलाई के व्यक्तियों द्वारा ऑन-लाईन सट्टा महादेव बुक के संचालन की सूचना मिली। इसी सूचना के आधार पर पपुलिस अधीक्षक दुर्ग डॉ.अभिषेक पल्लव के निर्देश पर एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा एवं थाना प्रभारी दुर्ग निरीक्षक एसएन सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम ग्रेटर नोएडा के लिये रवाना की गई।

टीम द्वारा सूचना के आधार पर एलेस्टोनिया अपार्टमेन्ट, ग्रेटर नोएडा के 9वी मंजिल पर एक किराये के फ्लैट में दबिश देकर ऑन-लाईन सट्टा लॉयन-15 ब्रांच के 05 पैनल का संचालन करते 9 सटोरियों को पकड़ा। पकड़े गए सटोरियों में लोकेश कलवानी सुंदर बाजार भाटापारा, अभिषेक सिंह शांति नगर भिलाई, विशाल कुशवाहा गणेश नगर, एसीसी जामुल, अंकुश वर्मा संग्राम चौक, कैम्प-1 छावनी, आकाश साहू हार्डवेयर लाइन सुपेला, अंकित कनौजिया शॉप नंबर 8, वैशाली नगर, वैभव सिंह टिकरापारा बिलासपुर, शुभम राव एचएससीएल कालोनी सेक्टर 6 व डी आशीष जोन-1,सड़क 15, खुर्सीपार शामिल हैं। इस पूरी कार्रवाई में में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट से सउनि शमित मिश्रा, आरक्षक प्रदीप सिंह ठाकुर, जगजीत सिंह, तिलेश्वर राठौर, विक्रान्त कुमार, धीरेन्द्र यादव, खुर्रम बक्श, फारूक खान, चित्रसेन एवं थाना दुर्ग से उप निरीक्षक भुवनेश्वर यादव की सराहनीय भूमिका रही।

भिलाई का शातिर बदमाशः यू-ट्यूब विडियो देख कर बिहार से खरीद लाया पिस्टल, कई मामलों में पहले भी खा चुका है जेल की हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने अवैध रूप से अपने पास पिस्टल रखने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश ने यू-ट्यूब वीडियो देख बिहार से पिस्टल मंगाई थी। पुलिस ने युवक के पास से एक पिस्टल सहित दो खाली मैगजीन व 6 जिंदा कारतूस बरामद किया है। बताया जा रहा है कि पिस्टल से बदमाश युवक किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था लेकिन इससे पहले की पुलिस के हत्थे चढ़ गया। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में इसका खुलासा किया।

बता दें दुर्ग एसपी डॉ पल्लव ने अवैध कार्यों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसी कड़ी में भिलाई नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रुआबांधा पारिजात कॉलोनी में आदतन बदमाश युवक अपने पर पिस्टल रखा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर विशाल सिंह पिता बुद्धिराज सिंह (27) को गिरफ्तार किया। पुलिस को विशाल सिंह के पास से एक पिस्टल एवं दो खाली मैग्जीन तथा 06 नग जिन्दा कारतूस मिला है।

विशाल सिंह ने पिस्टल से संबंधित कोई विधिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। भिलाई नगर पुलिस ने विशाल सिंह के विरूद्ध धारा 25-27 आर्म्स एक्ट कायम कर पिस्टल एवं कारतूस जब्त किया। पुलिस ने बताया कि विशाल सिंह आदतन अपराधी है और पहले भी जेल जा चुका है। उसके खिलाफ कई अपराधिक मामले पंजीकृत हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यू-ट्यूब में विडियो देख कर बिहार के कजरा से यह पिस्टल खरीदी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकता था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ गया। इस कार्रवाई में भिलाई नगर के निरीक्षक राजेश कुमार साहू, उप निरीक्षक भागवत ठाकुर, उप निरीक्षक दिनेश कुमार, प्रधान आरक्षक प्रेम सिंह, आरक्षक सुशील चौधरी, हेमेन्द्र कुरे, अनिल गुप्ता, अमित वर्मा, दिलीप सिंदार का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शादी का झांसा और तीन साल तक दैहिक शोषण

एफआईआर के बाद हुआ फरार बिलासपुर से पकड़ाया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक युवती को शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। युवक ने पहले युवती को अपने झांसे में लिया और परिचित के घर पर दुष्कर्म किया। इसके बाद तीन साल यह सिलसिला चलता रहा। इसके बाद युवक ने शादी करने से मना कर दिया। इधर युवती ने मामले में शिकायत दर्ज कराई तो युवक फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी युवक को बिलासपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा धारा 376, 376 (2)(ह) के तहत कार्रवाई की है।

मामला जशपुर में फरसाबहार थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाली 27 वर्षीय युवती ने दो दिन पहले थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में युवती ने बताया कि माह जनवरी 2020 में आरोपी खिलेश पैंकरा उसे एक परिचित के घर में ले गया और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद कई बार उसने इसी बहाने से उसके साथ दुष्कर्म किया। तीन साल बाद उसने शादी करने से इनकार कर दिया। युवती की शिकायत के बाद अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। लेकिन वह फरार हो चुका था।

इसके बाद मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी के बिलासपुर में होने की जानकारी मिली। जशपुर फरसाबहार थाने की एक टीम बिलासपुर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने युवती से दुष्कर्म की बात स्वीकार कर ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में फरसाबहार थाना प्रभारी ओपी कुजूर, आरक्षक नीरज तिर्की, शोभित साय, ईश्वर साय, रामसागर नायक, बिरजिनिया टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आमाबेड़ा में नक्सलियों के मंसूबे फेल सुरक्षा बलों ने देशी पिस्टल, देशी कट्टा व 30 जिंदा राउण्ड किए बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर/भिलाई। सीमा सुरक्षा बल ने सोमवार को नक्सलियों के मंसूबों को फेल कर दिया। कांकेर के धुर नक्सल क्षेत्र सीमा सुरक्षा बल आमाबेड़ा में छत्तीसगढ़ की गुप्तचर शाखा द्वारा दी गई सटीक सूचना के आधार पर जवानों ने विशेष ऑपरेशन चलाया। सोमवार सुबह 10:30 बजे सीओबी आमाबेडा 135 वी वाहिनी के जवानों ने विशेष ऑपरेशन के द्वारा मूचे खडका वाटर फॉल के 500 मीटर पश्चिम दिशा मे माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गये 1 देशी पिस्टल, 1 देशी कट्टा और 30 जिंदा राउण्ड बरामद किया।

छत्तीसगढ़ सीमा सुरक्षा बल ने बयान जारी कर बताया कि माओवादियों की स्मॉल एक्शन टीम द्वारा आम नागरिको को नुकसान पहुचानें के उद्धेश्य से इस तरह के छोटे हथियारो का इस्तेमाल किया जाता है। सीमा सुरक्षा बल की गुप्तचर शाखा के सटीक खबर पर बहादुर जवानों ने पेशेवर तरीके से सतर्कता पूर्वक कार्रवाई करते हुए उपरोक्त हथियारों और कारतूसो को बरामद कर माओवदियों के नापाक इरादों को एक बार फिर नाकाम कर दिया।

सीमा सुरक्षा बल की इस सफ्लता पर महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल इन्दराज सिंह ने टीम के सभी जवानों को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल अपने तैनाती इलाके मे आम नागरिको की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य मे भी आम नागरिको की सुरक्षा के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं बहादुरी पूर्वक कार्रवाई करते रहेंगे।

मवेशियों की तस्करीः पिकअप में भरकर ले जा रहा था तस्कर, पुलिस के हत्थे चढ़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ से झारखंड के लिए हो रही मविशियों की तस्करी का भांडाफोड़ हुआ है। जशपुर पुलिस ने एक पिकअप से मवेशियों की तस्करी करने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पिकअप वाहन जब्त कर उसमें से 10 मवेशियों को सुरक्षित उतारा। आरोपी मवेशियों को झारखंड में कत्लखाने ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार जशपुर के चौकी दोकड़ा क्षेत्र में ग्रामीणों से सूचना मिली की दोकड़ा रखात जंगल में एक पिकअप वाहन तेजी से बंदरचुंआ की ओर जा रहा है। ग्रामीणों ने पिकअप का पीछा किया तो उक्त वाहन के चालक वाहन को जंगल में खड़ा कर वहां से भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और पिकअप से 10 मवेशियों को सुरक्षित उतारा। इसके बाद पुलिस ने जंगल में तलाश किया और पिकअप चालक को गिरफ्तार किया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी चालक ने अपना नाम हसनैन राजा निवासी साईटागरटोली चौकी लोदाम बताया। उसने बताया कि वह उक्त मवेशियों को झारखंड प्रांत की ओर ले जा रहा था। आरोपी का यह कृत्य छत्तीसगढ़ कृषि पशु अधिनियम की धारा 4, 6, 10 के तहत पाया गया। पुलिस ने आरोपी हसनैन राजा (27) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। इस कार्रवाई में सउनि टीआर सारथी, प्रआर सुधीरचंद तिग्गा, लक्ष्मण भगत, आरक्षक मुकेश कुमार, कुलकांत हंसरा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पालतू डॉगी की मौत से दुखी छात्रा ने कर ली खुदकुशी

डॉगी के पट्टे का बनाया फंदा और झूल गई फांसी पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से खुदकुशी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां रहने वाली एक छात्रा ने अपने पालतू डॉगी की मौत से दु:खी होकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने अपने डॉगी के पट्टे का फंदा बनाया और फांसी पर झूल गई। घटना रविवाद दोपहर बाद की है। पुलिस सोमवार को छात्रा के शव का पोस्टमार्टम कराया।

कोरबा रामपुर के सिंचाई कॉलोनी निवासी दुर्गा राजस्व विभाग में चपरासी की नौकरी करती है। उसकी बेटी ऋचा सोंधिया (20) रायपुर में रहकर डीसीए की पढ़ाई कर रही थी। मिली जानकारी के अनुसार ऋचा व उसके दोस्त अनिकेत मिश्रा ने मिलकर 40 हजार रुपए में कुत्ता खरीदा था। ऋचा को अपने डॉगी से काफी लगाव हो गया था। वह रायपुर में भी उसे अपने साथ ही रखती थी। इस बीच छुट्टियां लगी तो वह कुत्ते को साथ लेकर कोरबा आ गई।

कोरबा में उसका डॉगी बीमार हुआ और उसकी मौत हो गई। डॉगी की मौत से ऋचा काफी दुखी रहने लगी थी। इस बीच उसका दोस्ता अनिकेत मिश्रा डॉगी की मौत के लिए ऋचा को कुसूरवार ठहराते हुए बुरा भला कहता था। इससे वह और दुखी रहने लगी। ऋचा की मां ने पुलिस को बताया कि वह इतनी परेशान थी कि डॉगी का पट्टा भी साथ लेकर ही सोती थी। मां ने बताया कि उसने काफी समझाने का प्रयास किया।

इधर रविवार को ऋचा की मां नहाने चली गई और पीछे से ऋचा ने अपने डॉगी के पट्टे का फंदा बनाया और फांसी लगा ली। मां जब नहाकर वापस लौटी तो अपनी बेटी को फांसी पर लटकते देख बेकाबू हो गई। मां ने अपनी बेटी की मौत के लिए उसके दोस्त अनिकेत मिश्रा को ही दोषी बता रही है। मां कहना है वह रोज फोन कर उसकी बेटी को ताने देता था जिसके कारण व परेशान थी। इधर इस मामले में सिविला लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पक्षियों का शिकार करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

बलौदाबाजार (ए)। जिले में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित अन्य पक्षियों के शिकारी को पकड़ लिया गया है। दरअसल, कुछ दिन पहले जिले के वन्य क्षेत्र में मोर सहित 19 अन्य पक्षियों की मौत हो गई। जंगली पक्षियों का शिकार करने के लिए शिकारी ने दाना डालकर, पानी में यूरिया मिला दिया था, जिसे पीने के बाद पक्षियों की मौत हो गई। अब पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही वन्य क्षेत्र में शिकारी बहेराभाठा ग्राम निवासी सुखसिंग ने जंगली पक्षियों का शिकार करने के लिए दाना डालकर, पानी में यूरिया मिला दिया। इस पानी को पीने से 19 पक्षियों की मौत हो गई। पुलिस और विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की, जिसके बाद मोर सहित अन्य पक्षियों के शिकारी सुखसिंग को गिरफ्तार कर लिया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

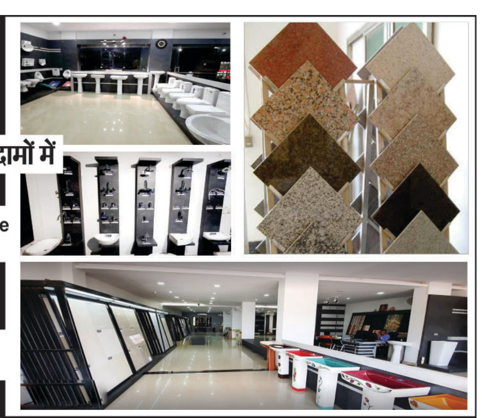

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

नेशनल वर्क स्किल प्रतियोगिता में बीएसपी कार्मिकों ने जीते 7 पुरस्कार

भिलाई । सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के 7 कार्मिकों ने सीआईआई द्वारा दिल्ली में आयोजित नेषनल वर्क स्किल प्रतियोगिता 2023 में प्रतिभागिता की। जिसमें भाग लेने वाले सातों कार्मिकों ने राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार जीतने में सफल रहे। विदित हो कि मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा विभिन्न टेऊ्ड में प्रतिवर्ष ईडी वर्क्स ट्रॉफी फॉर वर्क स्कील प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न टेऊ्ड में जीतने वाले कार्मिकों को सर्वप्रथम सीआईआई द्वारा कोलकाता में आयोजित रिजनल वर्क स्किल प्रतियोगिता में भाग लेने भेजा जाता है। इस रिजनल प्रतियोगिता को जीतने के पष्चात ये प्रतिभागी नेषनल वर्क स्किल प्रतियोगिता में भाग लेने की पात्रता हासिल करते है। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के 7 कार्मिकों ने 02 फरवरी से लेकर 4 फरवरी 2023 के मध्य सीआईआई द्वारा दिल्ली में आयोजित नेषनल वर्क स्किल प्रतियोगिता 2023 में अपने–अपने टेऊ्ड में अपना ज्ञान, तकनीकी कौषल व हुनर प्रदर्षित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर 7 पुरस्कार जीतकर भिलाई का नाम रौषन किया है।

नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को पदोन्नति आदेश वितरित

भिलाई । सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने आज दिनांक 06 फरवरी 2023 को मुख्य महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नत होने वाले अधिकारियों को पदोन्नति आदेश वितरित करने हेतु निदेषक प्रभारी के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विदित हो कि इस पदोन्नति में भिलाई इस्पात संयंत्र के कुल 20 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान कर मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया है। नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को पदोन्नति आदेश वितरित करने हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन), एम एम गद्रे, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा), डॉ ए के पंडा, कार्यपालक निदेषक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त सेफी चेयरमेन एवं ऑफिसर्स एसोसिएषन के अध्यक्ष एन के बंछोर विषेष रूप से उपस्थित थे। संयंत्र के कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने नव पदोन्नत मुख्य महाप्रबंधकों को पदोन्नति आदेश प्रदान किया।

भारत जोड़ो यात्रा से लौटे भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र

आते ही लोगों के बीच पहुंचे, छावनी में की भेंट-मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की जिम्मेदारी संभालने के बाद भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव वापस लौट चुके हैं। आने के बाद उन्होंने एक बार फिर लोगों के बीच पहुंचना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में विधायक देवेन्द्र यादव सोमवार सुबह वार्ड 41 औद्योगिक नगर छावनी पहुंचे। जहां उन्होंने वार्ड के नागरिकों से भेंट मुलाकात की और सबका बारी बारी से हालचाल जाना। इस दौरान जमीन में चटाई में बैठकर विधायक देवेंद्र यादव ने वार्ड के युवाओं और नागरिकों से बातचीत की।

वार्ड वासियों ने वार्ड में डोम शेड निर्माण के लिए विधायक का आभार जताया और पिछले समय में उन्होंने ज्योति कक्ष की मांग की थी जो पूरी हुई इस बात की खुशी पूरे वार्ड वासियों को दिख रही थी। भेंट मुलाकात के दौरान वार्ड वासियों ने बारी–बारी से वार्ड की समस्याओं और लगातार वार्ड में हो रहे विकास कार्यों की भी जानकारी दी।

विधायक को बताया कि उनके क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। पहले वार्ड में कई तरह की समस्याएं थी लेकिन अब धीरे–धीरे सभी समस्याओं का समाधान हो रहा है। सरकारी योजनाओं में सभी को राशन कार्ड का भी लाभ मिला है। हर घर में नल लगाए गए हैं जिससे उन्हें शुद्ध पानी मिल रहा है। सफाई भी नियमित रूप से किया जा रहा है।

ज्योति कलश भवन का होगा निर्माण

छावनी लक्ष्मण नगर जनता की मांग पर मंदिर परिसर में एक अलग से ज्योति कलर भवन का निर्माण किया जाएगा ।वार्ड वासियों ने विधायक श्री यादव को बताया कि मंदिर से उनकी श्रद्धा जुड़ी हुई है। हर नवरात्रि पर्व पर वह मंदिर परिसर में ज्योति कलश जलवा ते हैं लेकिन भक्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और ज्योति कलश को सुरक्षित रखने के लिए उनके पास मंदिर में अब जगह नहीं है इसलिए वे चाहते हैं कि मंदिर परिसर में एक अलग से ज्योति कलश भवन का निर्माण किया जाए ताकि क्षेत्र की भक्तगण अपनी मनोकामना ज्योति जलवा सकें। जनता को ध्यान में रखते हुए विधायक यादव ने एक नई ज्योति कला भवन निर्माण के लिए स्वीकृति दी और भूमि पूजन किया संबंधित जोन 4 क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल्द ही भवन निर्माण की प्रक्रिया पूरी की जाए। ताकि भक्तों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। इसी के साथ ही राजीव नगर में गणेश मंच का लोकार्पण किया गया। यहां भी वार्ड वासियों क्षेत्र वासियों की मांग पर गणेश मंच का निर्माण किया गया है। जहां हर साल वार्ड के लोग गणेश चतुर्थी पर भगवान श्री गणेश की स्थापना करते हैं और 11 दिन भव्य पूजा आराधना करते हैं। विकास कार्य के लिए क्षेत्र के लोगों ने विधायक देवेंद्र यादव का दिल से आभार जताया और धन्यवाद किया।

एक करोड़ से संवरेगी खुर्सीपार गेट से एमपीआर रोड़ तक की सड़क

एक करोड़ रुपए की लागत से खुर्सीपार गेट से लेकर एमपीआर रोड तक रोड का सौंदर्यीकरण डामरीकरण किया जाना है। जिसके लिए यह आज भूमि पूजन का आयोजन किया गया। महापौर नीरज पाल और लोग कर्म प्रभारी एकांश बंछोर सहित हजारों की संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे और भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए ।विधि विधान के साथ पंडित ने मंत्रोच्चार कर भूमि पूजन कार्यक्रम का समापन किया। इस दौरान वार्ड वासियों के साथ बारी–बारी से नारियल तोड़कर और जमीन की खुदाई कर भूमि पूजन कार्य को संपन्न किया गया। इस मौके पर विधायक यादव ने क्षेत्रवासियों को बताया कि सीएम भूपेश बघेल ने पूरे पटरीपार क्षेत्र के प्रमुख सड़कों के संधारण व डामरीकरण के लिए 5 करोड़ की घोषणा किये थे। वह राशि मिल चुकी है और जल्द ही खुर्सीपार क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। केनाल रोड और एमपीआर रोड के सौदर्यीकरण की योजना बनाई गई है। दो करोड़ की लागत से इस रूट का पूरा कायाकल्प बदला जाएगा। इसी के साथ ही एक करोड़ की लागत से खुर्सीपार गेट से लेकर एमपीआर रोड तक डामरीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है। इसका भी आज भूमि पूजन संपन्न किया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जल्द ही सड़कों का डामरीकरण व सौंदरीकरण कार्य शुरू किया जाए।

डोम शेड का किया लोकार्पण

विधायक देवेंद्र यादव लक्ष्मण नगर पहुंचे जहां जनता की मांग पर भव्य और सर्व सुविधा युक्त डोमशेड का निर्माण किया गया है। इस डोमशेड के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को विभिन्न आयोजनों में सुविधा मिलेगी। जनता की मांग पर इस डोम का निर्माण किया गया है। जिसका आज नगर विधायक देवेंद्र यादव ने लोकार्पण किया। इस दौरान महापौर नीरज पाल और लोक कर व प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर, डी काम राजू विधायक प्रतिनिधि, तुलसी पटेल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, क्षेत्र के पार्षद जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के साथ मिलकर फीता काट कर डोमशेड का लोकार्पण किया गया।

क्रेडा सदस्य ने उठाया था सुरक्षा का मुद्दाः एसपी ने विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने खोला पुलिस सहायता केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुरुद रोड सूर्या रेजीडेंसी के सामने बीट क्रमांक–1 में दुर्ग पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने थाना सुपेला, स्मृति नगर चौकी अंतर्गत पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ क्रेडा सदस्य विजय साहू ने पहले ही यहां की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए थे। उनकी मांग थी कि यहां पर पुलिस सहायता केंद्र होना चाहिए जिससे इस सोसाइटी में रहने वाले सुरक्षित महसूस कर सकें।

क्रेडा सदस्य विजय साहू की मांग पर सार्थक पहल करते हुए एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने यहां पर पुलिस सहायता केन्द्र शुरू कर दिया है। इससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत

होगी। इस उद्घाटन समारोह क्रेडा सदस्य विजय साहू, एएसपी शहर संजय ध्रुव, एएसपी मीता पवार, डीएसपी केके वाजपेयी, भिलाई नगर सीएसपी निखिल रखेचा, डीएसपी सतीश ठाकुर, सुपेला थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा, स्मृति नगर चौकी प्रभारी प्रमोद श्रीवास्तव सहित थाना स्टॉफमौजूद था।

यूरोप में भिलाई की प्रेरणा ने तिरंगे के साथ जमाई धाक, दो खिताब किए अपने नाम

घरेलू हिंसा पर रोक लगाने दिया सकारात्मक संदेश, मिसेज यूनिवर्स बेस्ट परफॉर्मेंस और मिसेज यूनिवर्स सेंट्रल पेसिफिक एशिया 2022 खिताब भी अपने नाम किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण–पूर्वी यूरोपीय देश बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आयोजित मिसेज यूनिवर्स 2022 प्रतियोगिता में भिलाई की प्रतिभाशाली प्रेरणा धाबर्डे ने सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय व समाज के लिए कुछ कर गुजरने के जज्बे के साथ सफलतापूर्वक भागीदारी दी।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी व अब तक विभिन्न सौंदर्य प्रतियोगिताओं में कई सम्मान अपने नाम कर चुकीं इस्पात नगरी भिलाई की तालपुरी निवासी प्रेरणा धाबर्डे ने यहां भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ मंच पर उतरी और घरेलू हिंसा पर रोक लगाने का सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने प्रतियोगिता में दो महत्वपूर्ण खिताब भी अपने नाम किए।

30 जनवरी से लेकर 5 फरवरी तक विभिन्न सत्रों में हुई प्रतियोगिता के दौरान घरेलू हिंसा विषय पर प्रेरणा द्वारा अभिनीत शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया। जिसकी वहां उपस्थिति विभिन्न देशों के लोगों ने भरपूर सराहना की। अपनी इस लघु फिल्म के माध्यम से प्रेरणा ने विषम परिस्थितियों में भी परिवार को एकजुट रहने का संदेश दिया।

इसी तरह नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड में प्रेरणा ने भारत के प्रमुख परिधान लहंगा, चोली और चुनरी पहन कर गरिमामय कैटवाक से सबका ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान उन्हें सबसे ज्यादा तालियां चुनरी पर लिखे स्लोगन (संदेश) पर मिली।

जिसमें उन्होंने ''एक दूसरे से संघर्ष करने के बजाए सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और युद्ध को ना –शांति को हां'' कहने का उल्लेख किया था। उनके इस विश्वव्यापी संदेश ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया और उपस्थित सभी जजों और सम्मानित अतिथियों ने करतल ध्वनि और तालियां बजाकर प्रेरणा का अभिवादन किया।

उनके संदेश को वर्तमान में परिवेश की विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध की स्थिति पर निहायत ही जरूरी बताया। प्रेरणा ने कहा कि आज संसार को युद्ध की कराहना नहीं, बुद्ध की करूणा चाहिए। निर्णायकों ने प्रेरणा की बातों से प्रभावित हो कर कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से दुनिया में एक सार्थक संदेश जाना चाहिए।

प्रतियोगिता में रैंप वॉक, शॉर्ट फिल्म, नेशनल कॉस्ट्यूम और पूरी प्रतियोगिता के दौरान अच्छे व्यवहार के लिए प्रेरणा को मिसेज यूनिवर्स बेस्ट परफॉर्मेंस का खिताब दिया गया। वहीं इस प्रतियोगिता में सुंदरता, बुद्धिमत्ता, व्यवहार कुशलता,वाकपटुता और नेशनल कॉस्ट्यूम वेशभूषा तथा समाज के प्रति अच्छी सोच तथा कार्य करने के आधार पर दिए जाने वाले खिताब के अंतर्गत प्रेरणा धाबर्डे को मिसेज यूनिवर्स सेंट्रल पेसिफिक एशिया 2022 के खिताब से भी नवाजा गया।

प्रेरणा धाबर्डे ने इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में मिले सम्मानों के प्रति आभार जताया और इन सम्मानों को इस्पात नगरी वासियों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में सकारात्मक माहौल की वजह से ही वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता तक पहुंच कर उपलब्धि हासिल कर पाई हैं।

उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता के लिए प्रेरणा का चयन विभिन्न दौर की कठिन परीक्षा के आधार पर हुआ था। इस प्रतियोगिता का स्लोगन 'खुद को साबित करने महिलाओं को वैश्विक मंच प्रदान करना' रखा गया और पूरी दुनिया से 100 से अधिक देशों की महिलाएं इसमें प्रतिभागी रहीं।

सीके नायडू ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की धमाकेदार जीत, अरुणाचल को एक दिन में दो बार किया ऑलआउट, दर्ज की बड़ी जीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर–10 में खेले जा रहे बीसीसीआई के टूर्नामेंट सीके नायडू ट्राफी के मैच में छत्तीसगढ़ की टीम ने धमाकेदार जीत हासिल की है। छत्तीसगढ़ की टीम ने दो दिन में ही मैच जीत कर इतिहास रच दिया है। खासबात यह है कि छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों ने आधे दिन के खेल में ही अरुणाचल प्रदेश की टीम को दो बार ऑलआउट कर मैच में बड़ी जीत दर्ज की।

छत्तीसगढ़ की टीम ने अरुणाचल प्रदेश को एक पारी व 385 रनों के बड़े अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही छत्तीसगढ़ की

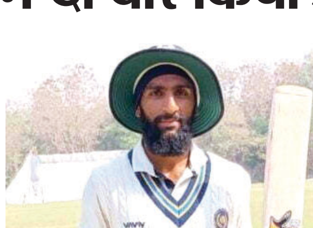

टीम को 9 अंक मिले हैं।

बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे सीके नायडू ट्राफी के मैच मं छत्तीसगढ़ की टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होते तक 4 विकेट पर 449 रन बना लिए। दूसरे दिन इससे आगे खेलते हुए छत्तीसगढ़ की टीम ने 6 विकेट पर 629 रनों के विशाल स्कोर पर अपनी पारी घोषित की। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान गगनदीप सिंह ने नॉटआउट रहते हुए 205 रन बनाएं। वहीं बल्लेबाज किवनूर ने 115 रन व मयंक वर्मा ने 63 रनों की पारी खेली। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश की टीम ने जैसे ही अपनी पारी की शुरुआत की तो छत्तीसगढ़ के गेंदबाज हावी हो गए। अरुणाचल प्रदेश पहली पारी 115 रनों पर समाप्त हो गई। अरुणाचल प्रदेश की पहली पारी में राजेश एवं सोहेल अंसारी ने 34- 34 रन बनाए। गेंदबाजी छत्तीसगढ़ के सुधांशु वर्मा ने अपने पदार्पण मैच में ही 5 विकेट लिए। दीपक सिंह बघेल ने 3 विकेट सत्यम दुबे एवं आशीष चौहान ने एक–एक विकेट लिया। छत्तीसगढ़ की टीम ने अरुणाचल प्रदेश को फॉलोऑन खिलाया। दूसरी पारी खेलने उतरी अरुणाचल प्रदेश की टीम कहीं भी सहज नहीं दिखी। अरुणाचल प्रदेश की दूसरी पारी 129 रनों पर समाप्त हो गई।

कलेक्टर जनदर्शन में महिला की गुहार, बेटी लिख नहीं सकती इसलिए परीक्षा के लिए दिया जाए एक राइटर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर जनदर्शन में हर बार की तरह इस बार भी लोगों की समस्याओं के कई आवेदन आए। इस दौरान सिंधी कालोनी एक महिला ने अपनी बेटी की परीक्षा के लिए अलग से लिखने वाला उपलब्ध कराने की मांग की। महिला ने आवेदन देकर कहा कि उसकी बिटिया को लिखने में परेशानी है और इसका मेडिकल सर्टिफिकेट भी उन्होंने रखा। महिला ने बताया कि अभी बिटिया की बोर्ड परीक्षा है।

बोर्ड परीक्षा में उसे अलग से लिखने वाला मिल जाए तो उसकी दिक्कत दूर हो जाएगी। कलेक्टर ने इस संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिये। इसी कड़ी में शक्ति नगर पद्मनाभपुर की एक महिला ने आज जनदर्शन में एजेंट की शिकायत की। उसने बताया कि तीन साल पहले एक एजेंट ने एलआईसी में लगाने के लिए 70 हजार रुपए लिये। बाद में पता करने पर यह मालूम हुआ कि इस एजेंट ने पैसे एलआईसी में लगाये ही नहीं हैं। इसके बाद बार–बार बोलने पर 20 हजार रुपए वापस किये, शेष पैसे अभी भी अप्राप्त हैं। महिला ने कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा से प्रकरण के संबंध में उचित कार्रवाई के लिए आग्रह किया।

ग्राम चंदखुरी की एक महिला ने बताया कि वो आदिवासी हैं और उनकी जाति नागरची है। उनके ससुर की जाति भी नागरची थी। चूंकि आदिवासी जमीन में क्रय–विक्रय के लिए कलेक्टर की अनुमति आवश्यक है अतएव आनन–फानन में जमीन का विक्रय करने उसके स्वजनों ने जाति नागरची से गाड़ा कर दी। महिला ने अपने आवेदन में कहा कि पूरे प्रकरण की जांच की जाए। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग से इस संबंध में जांच के निर्देश दिये।

सड़क में रूई धुनाई से हो रहा प्रदूषण

जवाहर चैक दुर्ग में एक दुकानदार द्वारा रूई की धुनाई सड़क में किये जाने संबंधित आवेदन भी जनदर्शन में आया। आवेदक का कहना था कि सड़क में रूई धुनाई से काफी प्रदूषण हो रहा है जिससे आसपास के लोगों को सांस संबंधी बीमारी हो रही है।

इसके अलावा सड़क में रूई धुनाई से सड़क भी जाम होती है। कलेक्टर ने इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिये।

पट्टा नहीं मिला, मुझे पट्टा दिला दीजिए

लक्ष्मीनगर खुर्सीपार की एक महिला ने कहा कि वो पट्टा वितरण के समय अपने गाँव महाराष्ट्र चली गई थी। जब आई तब तक पट्टा वितरण कार्यक्रम हो चुका था, इस वजह से उसे पट्टा नहीं मिल पाया। कलेक्टर ने इस संबंध में अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बीज निगम रूआबांधा से वृन्दा नगर दुर्ग तक सड़क चैड़ीकरण में प्रभावित एक परिवार ने अपना आवेदन जनदर्शन में रखा।

परिवार के सदस्य ने अपने आवेदन में कहा कि मुआवजा जल्द मिल जाए तो हम लोगों को काफी राहत होगी। जनदर्शन में एक आवेदन खोपली से आया। यहां ग्रामीणों ने पीएचई के टंकी निर्माण का लोकेशन बदलने मांग की।

देवी चित्रलेखा ने गोवर्धन पूजा एवं 56 भोग प्रसादी किया भेंट, कहा–

भगवान को पाने के लिए अधिक ज्ञान की नहीं बल्कि दीनता और मधुरता की आवश्यकता है

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पहली बार श्रीमद्भागवत कथा करने आयी देवी चित्रलेखा जी ने आज पांचवे दिवस की कथा में श्री कृष्ण की बाल लीला, गोवर्धन पूजा, एवं 56 भोग की कथा सुनाई, देवी जी ने कथा के माध्यम आए कहा कि भगवान को पाने के लिए अधिक ज्ञान की नहीं बल्कि दीनता और मधुरता की आवश्यकता है।

देवी जी ने कथा में छत्तीसगढ़ के मधुर स्वभाव के लोगो के कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

अगर देश की सेवा चाहते हो तो गौ माता की सेवा आवश्यक है आप घर में रहकर भी देश की सेवा कर सकते हैं गौ माता की सेवा करके नैतिकताओं का पालन कर के। रोज़ भगवान् के आगे हृदय से ये भाव निकलना चाहिए कि ... हे प्रभु ...!!! हमारी सामर्थ्य नहीं है हमारी भक्ति नहीं है हे दीनबंधू आप तो सब पर कृपा करते हो हम पर भी कृपा कीजिये हमारे भी इस जीवन के लक्ष्य को पूरा कीजिये प्रभु मैं अधम कैसे आपको प्राप्त करूँ मेरी तो औकात नहीं के मैं आपके सामने भी आ सकूँ लेकिन प्रभु तुम कृपा करोगे तब ही आपकी प्राप्ति संभव है। जब ये भाव आता है तब गोविन्द कृपा करते हैं। सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस में आज देवी चित्रलेखाजी ने बताया की बीते 4 दिन की कथा श्रवण करने की थी जिसे धारण करना था। परंतु अब 3 दिन की कथा को महसूस करना है देखना है और भाव क साथ मिल कर भगवान् की लीलाओं में शामिल होना है।

देवीजी ने सर्व प्रथम बताया की कैसे भगवान् का दर्शन करने सारी सृष्टि नन्दभवन की ओर प्रस्थान करने लगी। पूरे पंडाल में नन्द घर आनंद भयों से गूंज उठा

फिर भगवान् की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया के बिना भाव के भक्ति संभव नहीं । भाव होने से भगवान् खुद भक्त को समर्पित हो जाते है

जीव को भगवान के साथ किसी किसी रिश्ते से जुड़ना पड़ता है चाहे भगवान् को वह अपना पिता स्वीकार करे मित्र या फिर प्रियतम।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950